संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 28
पृष्ठ 8
मंगलवार
15 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मिनटों में गायब होंगे ... | विचार- महंगाई की मार और.... | खेल- अब पाकिस्तान से भारत ....

बहराइच सांप्रदायिक हिंसा पर सीएम योगी की सख्त चेतावनी

माहौल खराब करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

लखनऊ, एजेंसी। जिले के हरदी क्षेत्र के महाराजगंज बाजार में रविवार को देवी दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन जुलूस के दौरान गोलीबारी और पथराव में एक युवक की मौत हो गई। इसके बाद बहराइच के कई हिस्सों में हिंसा हुई और आगजनी हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए लखनऊ में जारी बयान में कहा कि माहौल खराब करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सभी को सुरक्षा की गारंटी, लेकिन उपद्रवियों और जिनकी लापरवाही से घटना घटी है, ऐसे लोगों को चिह्नित कर कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रतिमा विसर्जन जारी रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "मूर्ति विसर्जन जारी रहना चाहिए। धार्मिक संगठनों से संवाद कर मूर्ति विसर्जन समय पर करवाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी की सुरक्षा की गारंटी है। साथ ही उन्होंने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने उन लोगों की पहचान करने को भी कहा जिनकी लापरवाही से यह घटना हुई है। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कम से कम सात अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि आज जब महसी तहसील के हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज कस्बे से रेहुआ मंसूर गांव तक मूर्ति विसर्जन जुलूस निकल रहा था तभी उस स्थान पर दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने डीजे बजाने को लेकर आपत्ति जताई, जिसके बाद विवाद बढ़ा तो पथराव और गोलीबारी शुरू हो गयी। सूत्रों ने बताया कि गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव के निवासी राम गोपाल मिश्रा (22) घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। बताया कि गोली लगने से एक अन्य युवक तथा पथराव में छह लोगों के घायल होने की सूचना है। युवक की मौत की खबर जिले में फैलते ही तनाव का माहौल पैदा हो गया। बहराइच शहर, फखरपुर कस्बा और कुछ अन्य स्थानों पर हिन्दू संगठनों ने विसर्जन जुलूस रोक दिए। वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोगों ने जिला अस्पताल के बाहर युवक का शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीएम योगी के निर्देश के बाद एसपी वृंदा शुक्ला ने लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की। एसपी ने हरदी थाना प्रभारी सुरेश कुमार वर्मा व महसी चौकी इंचार्ज शिव कुमार को निलंबित कर दिया है।

पीएम मोदी से मिलीं सीएम आतिशी

सीएम बनने के बाद पहली भेंट

नई दिल्ली, एजेंसी।दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दिल्ली का मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद प्रधानमंत्री के साथ यह उनकी पहली मुलाकात थी। बैठक का एजेंडा अभी साफ नहीं हुआ है। उत्पाद शुल्क "घोटाला" मामले में जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया था। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने के बाद ही आतिशी ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने पिछले महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और वह राष्ट्रीय राजधानी में इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाली सभी तीन महिलाओं में सबसे कम उम्र की हैं। वह स्वतंत्र भारत में मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने वाली 17वीं महिला भी बन गयी हैं। वैसे वरिष्ठ आप नेता आतिशी का मुख्यमंत्री के रूप में संक्षिप्त कार्यकाल होगा क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव फरवरी में होने वाले हैं। पहली बार की विधायक आतिशी पार्टी का एक बड़ा चेहरा हैं और उन्होंने आबकारी नीति मामले के सिलसिले में अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल में रहने के दौरान आप का कामकाज संभाला। केजरीवाल ने कालकाजी से विधायक आतिशी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था। उससे पहले केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। भाजपा की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद आतिशी (43)दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। वह दिल्ली की सबसे कम उम्र की मुख्यमंत्री हैं। दीक्षित ने जब मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था तब वह 60 साल की थीं। सुषमा स्वराज दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के समय 46 साल की थीं। वैसे आतिशी फिलहाल देश में दूसरी महिला मुख्यमंत्री हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं। भारत के इतिहास में सभी महिला मुख्यमंत्रियों की सूची इस प्रकार है: सुचेता कृपलानी: स्वतंत्र भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री, कृपलानी ने 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सरकार का नेतृत्व किया। नंदिनी सत्पथीः किसी भारतीय राज्य की दूसरी महिला मुख्यमंत्री। इन कांग्रेस नेता ने 1972 से 1976 तक ओडिशा का शासन संभाला था। उनका कार्यकाल 1975 में आपातकाल की घोषणा समकालीन था। शशिकला काकोडकरः महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी की नेता काकोडकर1973 से 1979 तक दो बार गोवा, दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं।

चिराग पासवान को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री एवं हाजीपुर से सांसद, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान का सुरक्षा कवर बढ़ाने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने श्री पासवान को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है, जिसके तहत अब श्री

पासवान की सुरक्षा में 33 सुरक्षा कर्मी तैनात होंगे। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 33 जवान 24 घंटे उनकी सुरक्षा में रहेंगे। यह निर्णय श्री पासवान पर खतरे की बढ़ती आशंका की रिपोर्ट को देखते हुए लिया गया है, हालांकि अभी सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा बढ़ाने का स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है। श्री पासवान को इससे पहले एसएसबी के सुरक्षाकर्मियों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी।

लैंड जिहाद के बाद अब थूक जिहाद, पुष्कर सिंह धामी बोले- उत्तराखंड में यह कतई बर्दाश्त नहीं

किच्छा, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में धर्म परिवर्तन, अतिक्रमण, भूमि जिहाद और थूक जिहाद की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने शिक्षित लोगों से भी ऐसी चीजों को रोकने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उधम सिंह नगर जिले के किच्छा में एक अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड 'देवभूमि'

है जहां सभी लोग मिलजुल कर रहते हैं। आज एक बार फिर उन्होंने इस बात को दोहराया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से शिक्षा पर जोर देने की अपील की। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का मूल स्वरूप बरकरार रहना चाहिए। हम भूमि जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उत्तराखंड में थूक जिहाद स्वीकार्य और सहनीय नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उत्तराखंड में धर्म परिवर्तन नहीं होने दिया जाएगा, अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा, लैंड जिहाद नहीं होने दिया जाएगा। उत्तराखंड में कुछ लोग थूक जिहाद कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश में थूक जिहाद नहीं होने दिया जाएगा। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को रोकने के लिए शिक्षित लोगों को आगे आना चाहिए। जो भी गलत होगा, बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. इसे उत्तराखंड में किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस की अमित शाह ने थपथपाई पीठ, बोले-

ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ जारी रहेगी छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त करने के सफल अभियानों के लिए बधाई दी। एक्स पर शाह ने कहा कि ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा। उन्होंने लिखा कि मैं दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त करने के सफल ऑपरेशनों की श्रृंखला के लिए बधाई देता हूं, जिसमें हाल ही में गुजरात पुलिस द्वारा 5,000 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद करना भी शामिल है। अमित शाह ने आगे कहा कि नशीली दवाओं और नार्को व्यापार के खिलाफ धरपकड़ बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगी। मोदी सरकार हमारे युवाओं को नशीली दवाओं के संकट से बचाकर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि वे दिल्ली को नशा मुक्त शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली और गुजरात पुलिस के संयुक्त अभियान में रविवार को गुजरात के अंकलेश्वर से लगभग 5000 करोड़ रुपये मूल्य की कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई और पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई जब्ती दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। इसके साथ ही अब तक 13,000 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद की जा चुकी है. इस सिलसिले में गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। सूत्रों ने कहा कि यह देश में किसी भी एजेंसी द्वारा अब तक की सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, 700 किलोग्राम कोकीन की पिछली जब्ती की जांच के दौरान, स्पेशल सेल ने पाया कि ड्रग्स अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से लाए गए थे।

मुंबई से जेद्दाह, मस्कट जाने वाली इंडिगो की दो उड़ानों में बम रखे होने की धमकी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुंबई से जेद्दाह और मस्कट के लिए उड़ान भरने वाले इंडिगो के दो विमानों को सोमवार को उड़ान भरने से पहले बम रखे होने की धमकी मिली, जिसके बाद खतरे से बचने के लिए तत्काल सुरक्षा जांच और अन्य उपाय किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 1275 (मुंबई से मस्कट जाने वाली) और उड़ान संख्या 6ई 56 (मुंबई से जेद्दाह जाने वाली) में बम रखे होने की धमकी मिली और दोनों विमानों को गहन सुरक्षा जांच के लिए एक अलग क्षेत्र में ले जाया गया। इंडिगो के प्रवक्ता ने घटनाओं की पुष्टि करते हुए कहा, "मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई।" प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइन सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

शिवलिंग पर बिच्छू... पीएम मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट से थरूर को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाली कथित "शिवलिंग पर बिच्छू" टिप्पणी के लिए दायर मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक सोमवार को बढ़ा दी। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने थरूर की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए दिल्ली पुलिस

और शिकायतकर्ता को चार सप्ताह का समय दिया है। दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने तर्क दिया कि शशि थरूर के खिलाफ मानहानि मामले में मुख्य मुद्दा यह निर्धारित करना था कि क्या शिकायतकर्ता, राजीव बब्बर, एक भाजपा नेता, को एक पीड़ित पक्ष माना जा सकता है। इससे पहले 10 सितंबर को शीर्ष अदालत ने कांग्रेस सांसद थरूर के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी थी। कांग्रेस सांसद ने उच्च न्यायालय के 29 अगस्त के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसने उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया था। थरूर ने निचली अदालत के 27 अप्रैल, 2019 के आदेश को रद्द करने की मांग की थी, जिसमें उन्हें आपराधिक मानहानि शिकायत में आरोपी के रूप में समन किया गया था।

बहराइच में प्रशासन की निष्क्रियता दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण : प्रियंका वाड्रा

लखनऊ। कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा गांधी ने बहराइच हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए जनता से कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बहराइच, उत्तर प्रदेश में हो रही हिंसा और प्रशासन के

निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। गोरतलब हो, बहराइच में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। आज भी जगह–जगह आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की है। पुलिस प्रशासन मामले को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहा है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी एवं राज्य प्रशासन से अपील करती हूं कि त्वरित एक्शन लेते हुए, जनता को विश्वास में लें और हिंसा रोकें। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। जनता से मेरी करबद्ध अपील है कि कृपया कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। वहीं बहराइच में हुए बवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा जहां दंगा होता है, वहां पर जिला प्रशासन व सरकार फेल होती है। सभी मामलों में देश व प्रदेश की सरकार फेल हो चुकी है। राज धर्म का मतलब यह है कि हमारी प्रजा स्वतंत्र रहे, आनंदित रहे, संविधान और कानून का पालन हो और पालन कराया जाए। यह सरकार की नैतिक जिम्मेदारी होती है और उसमें यह सरकार विफल रही है। ये सरकार तो केवल जनता को डरा रही है कि बुलडोजर चला देंगे। कानून और नियम की परिधि में जो आए उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

बहराइच सांप्रदायिक हिंसा : युवक की मौत के बाद गुस्साई भीड़ ने मचाया उपद्रव

हिंसा और तनाव के बीच मृतक का अंतिम संस्कार

बहराइच, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बहराइच के महसी क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव और फायरिंग की घटना में युवक की मृत्यु के बाद भड़की हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश और गृह सचिव संजीव गुप्ता बहराइच के महराजगंज पहुंच चुके हैं और हिंसा को काबू करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस बीच हिंसा के शिकार गोपाल मिश्रा का अंतिम संस्कार कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में छह नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। क्षेत्र में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि आसपास के स्कूल, बाजार बंद हैं और चप्पे–चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात है। हिंसा में मारे गए युवक गोपाल मिश्रा के शव का सोमवार सुबह पोस्टमार्टम किया गया। शव परिजनों को सौंपे जाने के बाद भीड़ और आक्रोशित हो गई। हजारों की संख्या में लोग शव लेकर तहसील की ओर बढ़ गए। इस बीच कुछ दुकानों में आगजनी की गयी। भीड़ हिंसा में शामिल लोगों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग कर रही थी। महाराजगंज बाजार, रेहुआ मंसूर गांव और आसपास के करीब दो दर्जन से ज़्यादा गांव के लोग लाठी, डंडे से लैस होकर प्रदर्शन में शामिल हैं। हालात को देखते हुए कमिश्नर, जिलाधिकारी, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उपमहानिरीक्षक समेत सभी आला अधिकारी इलाके में डेरा डाले हुए हैं। हिंसा में दर्जन भर लोग घायल हुए थे, जिनका इलाज चल रहा है। इस मामले में अब तक करीब 25 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद से पूजा कमेटी लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ी रही, देर रात तक आरोपियों को फांसी देने के नारे सड़कों पर गूंजते रहे। देर रात तक प्रदर्शन और जगह–जगह आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस और प्रशासन बैकफुट पर नजर आया। एक साथ पूरे जिले में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने आला अधिकारियों को भी सकते में डाल दिया। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि अपने दायित्वों में लापरवाही को लेकर एसएचओ और महसी चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। घटनाक्रम की सघन जांच चल रही है। कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, एसपी की कार्रवाई के बाद भी लोगों में आक्रोश बना हुआ है। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा " हम हालात को काबू करने के प्रयास कर रहे हैं।" उधर डीजीपी लॉ एंड आर्डर अमिताभ यश बेकाबू भीड़ को सडक पर खदेड़ते नजर आये।

बहराइच दंगे पर बोलीं रीता जोशी, इसे रोकना होगा: प्रयागरजा में पूर्व मंत्री ने कहा सभी को अपने धर्म का पालन करें, एक ईंट दंगे में बदले ऐसा नहीं होना चाहिए

प्रयागराज। पूर्व मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने प्रयागराज में कहा कि बहराइच में दंगा दुखरूद है। ऐसा नहीं होना चाहिए। रीता जोशी ने कहा कि सभी धर्म के लोगों को अपने ध र्म का पालन करना चाहिए। यूपी में कानून व्यवस्था सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा कि एक ईंट से दंगा हो जाए। ऐसा नहीं होना चाहिए। दंगे की साजिश वालों से होशियार रहना होगा। हिंदू धर्म के जुलूस हों हो या फिर मोहर्रम जुलूस शांति कायम रहनी चाहिए। रीता जोशी ने कहा कि स्व. कमला बहुगुणा के जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी स्मृति में कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। पूर्व सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय उ.प्र. सरकार द्वारा कमला बहुगुणा की आदमकद कांस्य प्रतिमा बहुगुणा मार्केट न्याय मार्ग प्रयागराज में स्थापित की जाएगी। प्रतिमा का अनावरण निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री भारत सरकार, के द्वारा स्व. कमला बहुगुणा के जन्म दिन 30 दिसंबर–2024 को किया जाएगा। हेमवती नन्दन बहुगुणा स्मृति समिति द्वारा उ.प्र. व उत्तराखण्ड के 40 विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में 15 से 30 अक्टूबर के बीच विषय श्क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है, पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि उ.प्र. के लगभग सभी महत्वपूर्ण विश्वविद्यालयों बनारस (बी.एच.यू.), लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, आगरा, कानपुर, गौतमबुद नगर (नोएडा), चौधरी चरण (मेरठ), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय (वाराणसी) सहित कई निजी विश्वविद्यालय जैसे ऐमटी, गलगोटिया (नोएडा), शोभित विवि, सुभारती विवि, महाबीर विवि (मेरठ), बाबू बनारसी दास विवि, रामस्वरूप मेमोरियल विवि (लखनऊ), महर्षि विवि (लखनऊ), इन्टेग्रल विवि (लखनऊ), तथा लखनऊ के के.के.सी. विवि, आई.टी कालेज, गुरूनानक गर्ल्स महाविद्यालय, एस.आर.आई.एम.टी. में भी आयोजन होगा। पूर्व सांसद ने कहा कि मुझे खेद है कि इलाहाबाद विवि ने उपरोक्त कार्यक्रमध की अनुमति नहीं दी है एवं मेरे द्वारा विश्वविद्यालय को प्रेषित 3 पत्रों का कोई उत्तर कुलपति या रजिस्ट्रार की ओर से नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कमला जी 1942 में विवि की छात्रा रहीं थीं और भारत छोड़ों आंदोलन के उस जुलूस की अगली पंक्ति में जिस पर गोली चली और लाल पद्मध र शहीद हुए थे। उनका जीवनवृत महिलाओं के लिए प्रेरणा श्रोत है।

प्रयागराज में 12 साल के बच्चे को सांप ने डंसा: टीवी चालू करने गया था बच्चा, बोला- मां किसी ने काट लियाय फिर बेहोश हुआ तो उठा ही नहीं

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में घर के कमरे में टेलीविजन चालू करने गए बच्चे को सांप ने डंस लिया। मां ने सोचा कि किसी चूहे या छछुंदर ने काटा होगा। कुछ देर बाद जब बच्चा बेहोश होने लगा तो परिजन फूलपुर के प्राइवेट हॉस्पिटल में ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शहर के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल ले गए, वहां भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के इफको पुलिस चौकी के चकमाली गांव निवासी अरविंद कुमार पटेल का 12 साल का इकलौता पुत्र आदित्य कुमार पटेल सुबह कमरे में टेलीविजन चालू करने गया था। कमरे की दीवार में बिल में बैठे जहरीले सांप ने डंस लिया। बच्चे ने मां सुशीला देवी को बताया तो मां ने सोचा किसी चूहे या छछुंदर ने काटा होगा। कुछ देर बाद बालक बेहोश होने लगा। परिजन शहर के स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल ले गए। वहां भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन बच्चे के जिंदा होने की उम्मीद में सोरांव झाड़–फूंक करने वाले के पास ले गए। वहां से भी मृतक होने की बात पर कुंडा प्रतापगढ़ में वैद्य के पास लेकर गये। वैद्य ने भी मृतक घोषित कर दिया। मृतक बालक के पिता दिल्ली में काम करते हैं। सूचना पर दिल्ली से रवाना हो लिए हैं। मृतक बालक चार बहनों में सबसे छोटा इकलौता भाई था। मौत की सूचना पर बहने अंजलि, आंचल,आंशू, मीनाक्षी का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक बालक के जन्म के समय 12 साल पहले उसी घर में बुआ के लड़के माध व पटेल (6) का खेलते समय सांप के काटने से मौत हो गई थी। उसे समय वह अपनी मां सीता देवी के साथ प्रतापगढ़ के भवानीगढ़ से अपनी ननिहाल चकमाली आया हुआ था।

प्रेमी जोड़े की शादी के प्रमाणपत्र पर उठे सवाल, हाईकोर्ट ने SHO को दिए सत्यता की जांच करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसएचओ कोतवाली प्रयागराज को शादीशुदा बताकर सुरक्षा मांगने आए याची जोड़े की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कहा है कि पता करें कि याची जोड़े की शादी किसने कराई, विवाह प्रमाणपत्र किस संस्था ने दिया, जिस पुरोहित ने शादी कराई उसकी पूरी जानकारी इकट्ठा करें। वहीं, याची जोड़े जांच में सहयोग न करें तो उन्हें अगली सुनवाई पर अदालत में पेश किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की पीठ ने शिवानी केसरवानी व एक अन्य की याचिका पर दिया है। प्रयागराज निवासी शिवानी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। उनका कहना था कि वे बालिग हैं। उन्होंने अपनी मर्जी से शादी की है। विपक्षियों से उन्हें जान को खतरा है। इस पर कोर्ट ने एसएचओ कोतवाली से कथित शादी कराने वाली संस्था आर्य समाज चौक प्रयागराज के अध्यक्ष, सचिव व पुरोहित को 25 सितंबर को पेश करने का आदेश दिया था। आर्य समाज की ओर से अधिवक्ता आरबी मिश्र ने बताया कि कोर्ट में प्रस्तुत किया गया शादी का प्रमाणपत्र उनकी संस्था ने जारी नहीं किया है। वहीं, पुरोहित पंकज शुक्ल ने भी कहा कि उन्होंने याचियों की शादी नहीं कराई है और न ही विवाह प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किया है। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए एसएचओ कोतवाली को याचियों से पूछताछ कर सच्चाई का पता लगाने का निर्देश दिया। अधिवक्ता आरबी मिश्र को न्यायमित्र नियुक्त कर अगली सुनवाई की तिथि 16 अक्तूबर को कोर्ट का सहयोग करने का आदेश दिया है।

पूरब के आक्सफोर्ड से हो रहा छात्रों का मोहभंग: कोरोना के बाद सिर्फ पांच विदेशी छात्रों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में लिया दाखिला

प्रयागराज। प्रयागराज में पूरब के आक्सफोर्ड के नाम से विख्यात इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दाखिले को लेकर विदेशी छात्रों का मोह भंग होने लगा है। 2012 से 2023 के बीच 252 छात्र ही पंजीकृत रहे। इसमें स्नातक, परस्नातक और पीएचडी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल थे। लेकिन कोरोना महामारी की शुरुआत से अभी तक यानी तीन वर्षों की बात करें तो सिर्फ पांच विदेशी और एनआरआई छात्रों ने ही पढ़ाई के लिए पूरब के आक्सफोर्ड को चुना है। 2022–23 में एक भी विदेशी छात्र ने दाखिले के लिए आवेदन नहीं किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की तरफ से सूचना के अधिकार के अर्न्तगत दी गई जानकारी के मुताबिक 2012 से 2023 में कोरोना काल के बाद सिर्फ पांच छात्रों ने ही प्रवेश लिया है। हालांकि इसके पहले विदेशी छात्रों की संख्या सैकड़ों में हुआ करती थी। अंतरराष्ट्रीय छात्रावास इन छात्रों से गुलजार होता था। विश्वविद्यालय में 2015–16 में सबसे अधिक 63 विदेशी छात्रों ने प्रवेश लिया था, लेकिन इसके बाद से विदेशी छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। 2019–20 में यह संख्या 14 तक पहुंच गई। कोरोना काल के दौरान केवल पांच विदेशी छात्रों ने दाखिला लिया। 2023–24 में यह संख्या दो छात्रों तक सिमटकर रह गई। एनआरआई वाड/ स्पांर्सड श्रेणी के छात्रों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई और आवेदन फार्म डाउनलोड कर 23 अक्टूबर रात 11.59 बजे तक आवेदन भेजा जा सकेगा।

वाराणसी से कानपुर तक अपराधियों की जन्मकुंडली खंगाल रही जीआरपी

प्रयागराज। रेलवे ट्रैक को अवरुद्ध कर ट्रेनों को दुर्घटनाग्रस्त करने की साजिश रचने वालों की अब खैर नहीं है। जीआरपी ने वाराणसी से लेकर कानपुर तक रेलवे लाइन किनारे बस्तियों व गांवों के अपराधियों व संदिग्धों की जन्मकुंडली तैयार करनी शुरू कर दी है। अब तक 596 लोग चिह्नित किए जा चुके हैं। अपराधि यों व संदिग्धों के वर्तमान गतिविधियों की पूरी रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। ताकि ट्रेनों को दुर्घटनाग्रस्त करने की साजिश पर पूरी तरह लगाम लग सके। पिछले कुछ दिनों से रेलवे लाइन पर गैस सिलेंडर, भारी भरकम पत्थर, बिजली के खंभे व अन्य संदिग्ध वस्तुओं को रखकर ट्रेनों को दुर्घटनाग्रस्त करने के साजिश लगातार सामने आ रहे हैं। इसमें जीआरपी प्रयागराज जोन के अंतर्गत सर्वाधि क मामले शामिल हैं। बीते पांच अक्तूबर को एडीजी रेलवे प्रकाश डी ने प्रयागराज में सभी सीओ, थाना प्रभारी व चौकी इंचार्ज के साथ बैठक कर सख्त निर्देश दिया था। एडीजी के निर्देश के बाद जीआरपी एसपी अभिषेक यादव ने कानपुर, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, पीडीडीयू नगर, वाराणसी कैंट, जौनपुर, शाहगंज व सोनभद्र की टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। जीआरपी रेलवे क्षेत्र से सटे थानों में चिह्नित अपराधियों और बस्तियों के संदिग्धों की एक साल से क्या–क्या गतिविधि, जेल में या फिर बाहर, हाल फिलहाल में कोई मामला दर्ज हुए हो जैसे रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: वि0/ग0श0यू0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2024/46 दिनांक: 09.10.2024

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: वि0-ग0श0यू0-कार्य ठेका-57-2024	
कार्य का विवरण: उ0म0 रेलवे के प्रयागराज मण्डल में पनकी धाम - GMC के मध्य 4th लाइन के निर्माण के कारण नए 25 के0वी0 एस.एस.पी. का प्रावधान।	
अनुमानित लागत: रु.16271061.30	बिड सुरक्षा राशि: रु. 231400.00
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 01.11.2024, 14:00 बजे	बोली प्रणाली: एक पैकेट
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 01.11.2024, 15:00 बजे	कार्य अवधि: 04 महीना

नोट:(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1784/24 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

किशोरी को कार से अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म, बेहोश होने पर भाग निकले पांचों आरोपी

प्रयागराज। शंकरगढ़ में दुर्गा नवमी की आधी रात 17 वर्षीय किशोरी को घर के बाहर से कार में खींचकर दरिंदगी की गई। परिजनों का आरोप है कि सामूहिक दुष्कर्म के बाद पांच आरोपी उसे बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग निकले। पुलिस का कहना है कि किशोरी ने छेड़छाड़ की बात बताई है और संबंधित धारा में केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। किशोरी के पिता काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं जबकि उसकी मां चूड़ी–बिंदी व मेकअप का अन्य सामान बेचती है। 11 अक्तूबर की रात मां मेले में दुकान लगाने चली गई थी। घर में किशोरी व उसकी ममेरी बहन थी। मां ने बताया कि देर रात भतीजी ने फोन कर उसे जल्द घर आने को कहा। वह पहुंची तो बताया कि रात ढाई बजे के करीब पड़ोस में रहने वाला शनि आया और दरवाजा खोलने को कहा। जैसे ही किशोरी ने दरवाजा खोला तो वह उसे अपने साले छोटू व तीन अन्य लोगों की मदद से बलेनो कार में खींच ले गया। मां का आरोप है कि खोजबीन करने पर बेटी भोर में शनि के घर के बाहर खड़ी कार में बेहोशी की हालत में मिली। सूचना देने पर डायल 112 पुलिस उसे पहले सीएचसी ले गई। वहां बेटी ने बताया कि शनि, छोटू ने अपने तीन अज्ञात साथियों संग मिलकर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। फिर उसे कार में छोड़कर भाग निकले।

जाते वक्त कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की ध मकी दी। मां का आरोप है कि पुलिस ने जबरन छेड़खानी की तहरीर पर उससे दस्तखत करा लिया। उधर पुलिस का कहना है कि किशोरी ने अस्पताल में अपने साथ छेड़छाड़ होने की बात बताई है। संबंधित धारा में केस दर्ज कर मुख्य आरोपी को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।परिजनों के मुताबिक, आरोपी ने पीड़िता के भाई का नाम लेकर दरवाजा खोलवाया था। ममेरी बहन ने बताया कि आरोपी शनि घर के बाहर पहुंचकर उसकी बुआ के बेटे का नाम लेकर आवाज लगा रहा था।

यह सुनकर जब उसकी फुफेरी बहन दरवाजा खोलकर घर के बाहर निकली तो उसे कार में खींच ले जाया गया। उसकी चीख सुनकर वह भी पीछे गई लेकिन शनि ने दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। उधर पीड़िता की मां ने बताया कि घर पहुंचने पर उसे दरवाजा बाहर से बंद मिला था।

एक माह में दो बड़ी परीक्षाएं आयोग के लिए चुनौती, पीसीएस प्री और आरओ–एआरओ परीक्षा भी टलने के आसार

प्रयागराज। परीक्षा केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) 27 अक्तूबर को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 को टालने की तैयारी में है। यह परीक्षा अब सात एवं आठ दिसंबर को कराने की तैयारी है, जिस पर इसी हफ्ते कोई निर्णय लिया जा सकता है। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा टलती है तो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सामने एक नई चुनौती होगी। आयोग के कैलेंडर में 22 दिसंबर को समीक्षा अधि कारी (आरओ)ध्सहायक समीक्षा अधि कारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 प्रस्तावित है, जिसके लिए 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। वहीं, पीसीए प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। ऐसे में दोनों परीक्षाएं अगर दिसंबर में प्रस्तावित हो जाती हैं तो 14 दिनों के अंतर में आयोग के लिए इन प्रमुख परीक्षाओं का आयोजन बड़ी चुनौती होगा। आयोग ने आरओध एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा योजना में भी बदलाव किया है। ऐसे में यह परीक्षा भी कम से कम दो दिन में पूरी कराई जा सकेगी। इसके अलावा अभ्यर्थी दोनों ही परीक्षाओं की तैयारियां अलग–अलग करते हैं। ज्यादातर अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने पीसीएस के साथ आरओध्एआरओ परीक्षा के लिए भी आवेदन किए हैं। अगर 14 दिनों के अंतर में दोनों परीक्षाएं कराई जाती हैं तो इससे अभ्यर्थियों की परीक्षा संबंधी तैयारियों पर भी असर पड़ेगा। आयोग के सूत्रों का कहना है कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा अगर सात एवं आठ दिसंबर को कराई जाती है तो 22 दिसंबर को प्रस्तावित आरओध एआरओ परीक्षा टालनी पड़ सकती है। एक तरह आयोग केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित पीसीएस परीक्षा दो दिन कराने की तैयारी है, वहीं अभ्यर्थी लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के सवाल पूछे जाते हैं और प्रत्येक सही सवाल पर उसके लिए निध ारित पूरे अंक मिलते हैं। अलग–अलग दिनों में पेपरों में अलग–अलग सवाल भी पूछे जाएंगे और प्रश्नपत्रों के स्तर में भी अंतर होगा। ऐसे में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का एक समान मूल्यांकन कैसे किया जा सकेगा। आखिर ऐसा कौन सा फार्मूला है, जिसके माध्यम से आयोग सभी अभ्यर्थियों का एक समान मूल्यांकन कर सकता है।

पति का पत्नी और पत्नी का पति से शारीरिक संबंध बनाने की मांग करना शारीरिक क्रूरता नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में सुनवाई करते हुए पति के ऊपर दर्ज कराए गए

उत्पीड़न की कार्रवाई को रद्द करने का आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि शारीरिक संबंध बनाने की मांग को लेकर पति–पत्नी के बीच पैदा हुई असहमति को दहेज उत्पीड़न नही माना जा सकता है। अपनी शारीरिक यौन इच्छा को पूर्ण करने की मांग पति–पत्नी एक दूसरे से नहीं करेंगे तो कहां करेंगे। पति द्वारा शारीरिक संबंध बनाने की मांग करना क्रूरता नहीं है। नोएडा की एक महिला के पति व अन्य के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया गया था कि दहेज की मांग को लेकर पति मारता पीटता है और यातनाएं देता है। मांग पूरी न करने के कारण उसे मायके भेज दिया गया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि यह मामला दहेज उत्पीड़न का नहीं बल्कि दोनों के बीच यौन संबंध बनाने को लेकर असहमति का विवाद है। इस मामले को दूसरा रूप देते हुए मनगढ़ंत तरीके से दहेज उत्पीड़न से जोड़ दिया गया है। मामले में फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि पति अपनी पत्नी और पत्नी अपने पति से यौन इच्छा की पूर्ति की मांग नहीं करेगा तो कहां करेगा। इसको शारीरिक क्रूरता या दहेज उत्पीड़न नहीं कहा जा सकता है। अदालत ने कहा कि पत्नी के शरीर पर मारपीट, यातना या उत्पीड़न के कोई निशान नहीं हैं। दहेज की मांग कब की गई और किस चीज की मांग की जा रही है इसका भी जिक्र मुकदमे में नहीं है। कोर्ट ने पति के खिलाफ दर्ज पूरा मामला रद्द कर दिया।

IERT डायरेक्टर के बेडरूम में सांप निकला: इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफेसर हरियाली गुरु ने रेस्क्यू कर पकड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में स्थित IERT के डायरेक्टर डॉ. विमल मिश्रा के आवास पर उनके बेडरूम में करीब तीन फिट का एक सांप दिखा। घर में लोग भयभीत हो गए। इसकी जानकारी

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में वनस्पति विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर एनबी सिंह (हरियाली गुरु) को दी गई। उन्होंने रेस्क्यू कर उस सांप को पकड़ लिया। डायरेक्टर ने बताया कि वह रविवार की रात जब सोने जा रहे थे तो कमरे में सांप दिखा। हरियाली गुरु ने बताया कि सैंड बोआ प्रजाति का सांप था यह जहरीला नहीं होता है लेकिन इसे देखकर लोग सहम जाते हैं। प्रो. एनबी सिंह पर्यावरण संरक्षण के लिए आए दिन अभियान चलाते रहते हैं। पौध ारोपण करना और लोगों को निशुल्क पौधे देना या पक्षियों के लिए लकड़ी का घर उपहार देना इनकी दिनचर्या में शामिल है। साइकिल पर चलते हैं और साथ में कुछ पौधे भी रखते हैं। आवश्यकतानुसार लोगों को पौधे देते रहते हैं। यही कारण है कि इन्हें लोग हरियाली गुरु के नाम से जानते हैं। यह सांप, अजगर पकड़ने में माहिर हैं। कितना भी जहरीला सांप हो रेस्क्यू कर उसे पकड़ ही लेते हैं। वह कहते हैं सांप काटने के बाद लोग इतना सहम जाते हैं कि वह शॉक में चले जाते हैं। यही कारण है कि अधि कांश लोग सांप काटने के बाद भयभीत होकर मर जाते हैं।

शहर के 35 मोहल्लों में डेंगू का प्रकोप

प्रयागराज। जिले में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। शहर के अब तक 35 मोहल्लों में डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। यानी लगभग शहर के एक तिहाई मोहल्ले में डेंगू का प्रकोप है। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीम की ओर से मोहल्लों में एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है। इसके बावजूद रोज औसतन लगभग चार–पांच डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। गांव की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में मरीजों की संख्या तीन गुना अधिक हैं। एक सितंबर से लेकर 10 अक्तूबर जिले में मिले डेंगू के मरीजों सें सर्वाधि क संख्या नैनी की है। नैनी अब तक पांच डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। सिविल लाइंस, भगवतपुर और झलवा में तीन–तीन और 10 मोहल्लों में डेंगू के दो–दो मरीज मिल चुके हैं। साथ ही 18 मोहल्लों में एक–एक मरीज मिले हैं। दो–दो मरीज मिलने वाले मोहल्लों में मुख्य रूप से झलवा, अल्लापुर, कटरा, झूंसी, राजापुर, कीडगंज, सलोरी, जार्जटाउन, शांतिपुरम शामिल हैं।

नक्सलियों को हथियार सप्लाई करने वाला निकला ग्राम प्रधान

प्रयागराज। नक्सलियों को हथियार और गोला बारूद सप्लाई करने वाला आरोपी सुधीर त्रिपाठी जगदीशपुर गांव का प्रधान निकला। उसके साथ गिरफ्तार दूसरा आरोपी सूरज निषाद भी इसी गांव का निवासी है। वह मजदूरी का काम करता था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से 11 अक्तूबर को गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों का प्रतिबंधि त भाकपा (माओवादी) से संबंध होने का मामला उजागर हुआ है। इसकी जानकारी होते ही ग्रामीण स्तब्ध है। गांव में दोनों की गिरफ्तारी को लेकर तरह–तरह की चर्चा बनी हुई है। शिक्षक का बेटा सुधीर त्रिपाठी स्वभाव से मिलनसार है। ग्रामीणों के बीच अच्छी पहचान रखने की वजह से उसने ग्राम प्रधान का चुनाव भी जीता था। युवा ग्राम प्रधान को लेकर ग्रामीणों को काफी उम्मीदें थी। हालांकि एनआईए की ओर से शुक्रवार को गिरफ्तारी के बाद ग्रामीणों में खलबली मच गई। गांव के ही एक और युवक सूरज निषाद भी नक्सलियों को गोला बारूद व हथियार सप्लाई में संलिप्तता से गांव में दिनभर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

एनयूजेआई की मासिक बैठक सम्पन्न, कई हुए अहम फैसले

जिला संगठन का स्थायी कार्यालय घोषित

प्रयागराज । विजय दशमी के दिन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट एसोसिएशन प्रयागराज इकाई की मासिक बैठक वरिष्ठ संरक्षक पवन द्विवदी,संरक्षक परवेज आलम की मौजूदगी मे संगठन` कार्यालय पर सम्पन्न हुई। जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि एनयूजेआई प्रयागराज ईकाई को और मजबूत बनाने के लिए कमेटियों का गठन किया गया। बनाई गई कमेटियां संगठन को विस्तार देने के साथ साथ पत्रकारों के हित से जुड़े विषयों पर काम करेंगी। एनयूजेआई प्रयागराज के सभी सदस्यों के भविष्य के लिए इंश्योरेंस कमेटी का गठन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार पवन द्विवेदी को इंश्योरेंस कमेटी के लिए नामित किया गया है। संगठन से जुड़े पत्रकारों को विषम परिस्थितयों में आर्थिक रूप से मदद देने के लिए संगठन का बैंक एकाउण्ट खोलने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए आर्थिक कमेटी का गठन किया गया है जो एनयूजेआई के संरक्षक पवन द्विवेदी,संरक्षक परवेज आलम, अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव, महामंत्री राजीव कुमार सिंह,उपाध्यक्ष डॉ सुधाकर पान्डेय,संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला के नेतृत्व में करेगी। प्रयागराज ईकाई में एनयूजेआई में सदस्यों की संख्य बढ़ाने के लिए जमुना पार क्षेत्र में सदस्य विस्तार कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी उपाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी तथा संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला के नेतृत्व में काम करेंगी।

इसके साथ ही प्रयागराज में आयोजित होने वाले 2025 के महाकुंभ के लिए कैम्प कार्यालय एलाट कमेटी का गठन किया गया है। महाकुंभ एलाट कमेटी संरक्षक पवन द्विवेदी,संरक्षक परवेज आलम,महामंत्री राजीव कुमार सिंह संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला नामित किए गए है।इसी तरह संगठन के बैठक की सूचना जारी करने की कमेटी अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष जिया सिदीकी, मंत्री इरफान खान,मंत्री रंजीत निषाद,मंत्री असद कुरैशी,मंत्री शिव कुमार पान्डेय,राजिक को नामित किया गया।

जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन तथा जिला सूचना समन्वय कमेटी के लिए पवन द्विवेदी, परवेज आलम,अभय शंकर पान्डेय डॉ सुधाकर पान्डेय,अखिलेश शुक्ला ,अमिर अंसारी नामित किए गए है। संगठन द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम तथा बैठक के समाचार जारी करने की कमेटी के लिए संरक्षक पवन द्विवेदी ,संरक्षक परवेज आलम उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव को नामित किया गया है।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि कार्यकारिणी की सहमति के उपरान्त ही प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जायेगा। हालॉकि अगर प्रदेश कार्यकारिणी का कोई पदाधिकारी, सदस्य पूर्व सूचना के पश्चात आता है तो उसका स्वागत किया जायेगा। मासिक बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, संरक्षक पवन द्विवेदी,डाक्टर सुधाकर पांडेय, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, महामंत्री राजीव कुमार सिंह,मधुर दरबारी, संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला,वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, मंत्री इरफान खान, आमिर अन्सारी,सैयद मुहम्मद, प्रतीक,असद कुरैशी, शिव कुमार पांडेय, सुहेल हनीफ, अनूप रावत, बीके यादव बृजेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

'मॉ अंबे की आराधना ऑनलाइन गूगल मीट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न।'

प्रयागराज। शहर समता विचार महिला विचार मंच की काव्यगोष्ठी नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना ऑनलाइन गूगल मीट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न की महिला काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता संस्थापक उमेश श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि रचना सक्सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष , विशिष्ट अतिथि साधना शुक्ला ।

सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति आशा जाकड़ द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का संयोजन ध्संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत रचना सक्सेना जबलपुर द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। दया शर्मा ,डा. ऋतु पांडे, डा. ऊषा सक्सैना, डॉक्टर सारंगादेश (असीम), श्रद्धा श्रीवास्तव, मनोरमा श्रीवास्तव, पूनम पांडे, डा. योगिता सिंह हंसा, सावित्री मिश्रा, अनुराधा गर्ग दीप्ति, नीता शर्मा, अनामिका तिवारी,धन्यवाद ज्ञापन अनीता दुबे ने किया।

डकैती के प्रयास में ग्रामीणों पर फायर झोंकने वाला बदमाश गया जेल, तमंचा व कारतूस बरामद

लालगंज, प्रतापगढ़। डकैती की घटना में फरार चल रहे आरोपी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। लालगंज कोतवाली के खैरा पूरे छेमी में बीती अटठाईस सितंबर की रात डकैती के इरादे से गांव में घुसे चार बदमाशों की ग्रामीणों से भिडंत हो गयी। इस दौरान बदमाशो की ओर से की गयी फायरिंग मे तीन ग्रामीण घायल हो गये थे। इस घटना में चार बदमाशो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने इस घटना में शामिल बदमाश राजकुमार उर्फ बाबा निवासी बबुराईपुर सराय निर्भय को लालगंज कोतवाली के अपराध निरीक्षक विजयकांत सत्यार्थी ने मुखबिर की सूचना पर सोमवार को लालगंज के कालाकांकर रोड पर धर दबोचा। तलाशी के दौरान आरोपी बदमाश के पास अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव ने बताया कि आरोपी बदमाश की पुलिस को तलाश थी। मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

जो मैं गुदगुदाऊं तो पत्थर भी हंस पड़े-योगेंद्र मिश्रा'

जगदीश साहित्य संस्थान के हौसले की उड़ान कार्यक्रम में हुआ कवियों का सम्मान'

प्रयागराज ससाहित्य की भूमि प्रयागराज में साहित्य के सरोकारों में एक नया आयाम जोड़ने को प्रतिबद्ध प्रतिष्ठित जगदीश साहित्य संस्थान के द्वारा 14 अक्टूबर 2024 को हिंदुस्तानी एकेडमी के प्रागंण मे ष्हौसलों की उड़ानष कार्यक्रम के तहत देश विदेश से आमंत्रित विशिष्ट साहित्यकारों का सम्मान किया गया. आमंत्रित साहित्यकारों के द्वारा अपनी रचनाओं को दो सत्रों में विभाजित कवि गोष्ठी में प्रस्तुति के उपरांत उन्हे ष्साहित्य मार्तण्ड अलंकरणष सम्मान के अंतर्गत स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र ससम्मान भेंट किया गया. सरस्वती वंदना के पश्चात सम्मान समारोह से पहले जगदीश साहित्य संस्थान की संस्थापिका जगदीश कौर के साझा काव्य संकलन ष्हौसलों की उड़ान ष और एकल काव्य संग्रह ष्दीश के मन कीष का विमोचन आमंत्रित मुख्य अतिथि श्री हरजिंदर सिंह दिलगीर, श्री राजिंदर सिंह बेदी और अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा किया गया। डॉ कुमार वर्मा तथा अरविंद मालवीय की अध्यक्षता में आयोजित कवि डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र शविश्वबन्धुश, डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय,आर के मतंग, महेन्द्र भट्ट, कांति श्रीवास्तव, अरविंद के पांडेय, सूरज कांत, शशि जायसवाल, मनमोहन सिंह तन्हा, अनीता मिश्रा, शिव कुमार मिश्र, शरद नारायण खरे, सुनीता ममगाई, कविता उपाध्याय, रंजना पांडेय, अन्नपूर्णा मालवीय, आदर्श पांडेय आदि रहे। मुख्य अतिथि सरदारनी गोविन्द कौर ने संस्थान के द्वारा साहित्य के उत्थान के लिए किये जा रहे कार्यो की भूरि भूरि प्रशंसा की.सरदार हरजिंदर सिंघ दिलगीर जी,सरदार हरजिंदर सिंह,सरदार राजिंदर कौर व जाने– माने कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने भी संस्थान के कार्य के लिए अपनी शुभ कामनाएं प्रेषित की। जगदीश कौर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

रंजिश के चलते हुई मारपीट में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश के चलते हुई मारपीट में चार आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के सोनू लाल पुत्र मान सिंह वर्मा निवासी बभनपुर चकोदर ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बीती पांच अक्टूबर को रात नौ बजे वह अपने घर के सामने बैठा था। आरोप है कि गांव के तुलसीराम पुत्र गुरू प्रसाद, जगत पाल व बृजेश पुत्रगण तुलसीराम व शिवकुमारी पुत्री तुलसीराम ने रंजिश के चलते एकराय होकर हमला बोल दिया। आरोपियों ने लात घूंसो व लाठी डण्डो से मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। शोर मचाने पर ग्रामीणों को जुटता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते भाग निकले। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव ने बताया कि शिकायत पर तुलसीराम समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी खड़गपुर के उद्यमिता प्रकोष्ठ ने CMP डिग्री कॉलेज में आयोजित किया EAD प्रयागराज 2024

प्रयागराज। उद्यमिता जागरूकता अभियान (EAD) प्रयागराज 2024 का आयोजन 14 अक्टूबर 2024 को CMP डिग्री कॉलेज के डॉ. प्यारे लाल ऑडिटोरियम में दोपहर 12:30 बजे से 3:30 बजे तक किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन आईआईटी खड़गपुर के उद्यमिता प्रकोष्ठ (E-Cell) के सहयोगी सदस्य वेदांश पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उद्योग जगत के विशेषज्ञों और स्टार्टअप संस्थापकों से जोड़कर उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करना था। इस दौरान प्रमुख उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए और चुनौतियों से निपटने तथा स्थायी व्यवसाय खड़ा करने की रणनीतियों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा, CMP डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे, नवाचार प्रकोष्ठ (IIC) की संयोजक प्रो. अर्चना पांडे, और करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. रुचिका वर्मा शामिल थे। इनकी उपस्थिति ने शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच साझेदारी को दर्शाया, जिससे प्रयागराज में एक सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण को बल मिला। कार्यक्रम के वक्ताओं में श्री देबज्योति बनर्जी,ॆमअमद ठवंजे के संस्थापक एवं सीईओ, जिन्होंने डिजिटल ब्रांडिंग और ऑनलाइन व्यवसाय निर्माण पर चर्चा कीय श्री विशाल अरोड़ा, ल्वह4स्लि के सह–संस्थापक, जिन्होंने वेलनेस स्टार्टअप्स और स्वास्थ्य ब्रांडिंग पर अपने अनुभव साझा किएय और श्री भानु प्रताप सिंह, ॆब्तल के संस्थापक और सीईओ, जिन्होंने प्रतिस्पर्धी बाजारों में सतत विकास के लिए रणनीतियों पर बात की। इन सत्रों और पैनल चर्चा के माध्यम से छात्रों को पूंजी की कमी, प्रोडक्ट–मार्केट फिट, व्यवसाय विस्तार और ग्राहक वफादारी जैसी चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समापन ने छात्रों को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने, उपलब्ध मार्गदर्शन का लाभ उठाने और नए विचारों को सफल व्यवसायों में बदलने के लिए प्रेरित किया। आईआईटी खड़गपुर के उद्यमिता प्रकोष्ठ ने ब्डच डिग्री कॉलेज को इस कार्यक्रम का शैक्षणिक भागीदार बनने के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

कहानी-कविता गोष्ठी में उपन्यास सुनो सुनीला!सारंग शोकगाथा का विमोचन

कानपुर। वरिष्ठ कथाकार उपन्यासकार राजकुमार सिंह के स्त्री विमर्श पर नव प्रकाशित उपन्यास ष्सुनो!सुनीला सारंग लोककथाष्श का विमोचन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आई आई टी कानपुर की सहायक सूचना अधिकारी सुश्री रंगोली अवस्थी ने उपस्थित अतिथियों के साथ एक सादे समारोह में किया ।साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था ष्वाग्मि सेवा समितिष के बैनरतले रविवार,13अक्टूवर 2024 को 54,मैनावती मार्ग आजाद नगर में संपन्न हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता कथाकार हरभजन सिंह मेहरोत्रा ने तथा संचालन आवली मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर संपन्न कहानी कविता गोष्ठी में अरुणप्रिय ने अपनी कहानी श्श दो चेहरे श्श पढ़ी जिस पर उपस्थित साहित्यकारों ने विमर्श किया। कथाकार शशि श्रीवास्तव ने अपनी कहानी श्श रोशनी रूबरू श्श का पाठ किया। नवगीतकार जयराम जय के गीतों गजलों से सबका मन मोह लिया वहीं रंगोली अवस्थी की वैचारिक कवितायें ध्यान से सुनी गई ,सराही गईं, युवा कवि भरत सोमैया की कविताओं ने प्रभावित किया वहीं अरुण शुक्ल अरुणप्रिय की गजलों ने महफिल में शमां बांध दिया ।प्रारंभ में उपस्थित साहित्यकारों ने मां वाणी का पूजन अर्चन किया तत्पश्चात राजकुमार सिंह ने कहानी के सामाजिक महत्व तथा कहानी के बदलते स्वरूप पर वक्तव्य दिया। इस अवसर पर मुख्य रुप से संजीव यादव ,राधिका सिंह ,शशिबाला शुक्ल आदि विशेष रूप से उपस्थिति रहे ।अंत में वाग्मि सेवा समितिष के अध्यक्ष तथा संयोजक अरूण प्रिय ने आगतो का आभार व्यक्त किया.

अलग अलग दुर्घटनाओं मे महिला समेत दो घायल

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के परसपुर खीरी निवासी तीस वर्षीय सुधा पत्नी राकेश वर्मा सोमवार की दोपहर बारह बजे किसी काम से पैदल खालसा गांव जा रही थी। इस दौरान इन्दिरा चौराहे पर तेज गति अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गयीं। उसे उपचार के लिए ट्रामा सेण्टर मे भर्ती कराया गया है। उधर लालगंज के अमावां चौराहे पर साइकिल से अखबार बांटने निकले कमयनपुर निवासी बासठ वर्षीय कृष्ण कुमार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गये। ट्रामा सेण्टर से गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया आरोपी, केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव निवासी पीडित का आरोप है कि उसकी सोलह वर्षीया पुत्री को बीती सात अक्टूबर के दिन दोपहर बारह बजे लालगंज इलाके के अगई निवासी अंकुश पुत्र बबलू बहला फुसलाकर भगा ले गया। आरोप है कि अंकुश के कहने पर किशोरी अपनी मां का गहना व पैसा भी साथ उठा ले गयी। पीड़ित ने किशोरी के साथ अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव ने बताया कि किशोरी व आरोपी की तलाश की जा रही है, शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

शस्त्र पूजन समारोह में कवियों ने बांधी समां:

करछना। क्षत्रिय कल्याण समिति जमुनापार के तत्वावधान में नैनी स्थित चंद्रलोक गेस्ट हाउस में आयोजित शस्त्र पूजन समारोह में कवियों ने खूब समां बांधी। प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर के मुख्य आतिथ्य में पूर्व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व आईजी पुलिस सीपी सिंह,केपी सिंह,उच्च न्यायालय के पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक सिंह,डॉ वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। श्री राम एवं महाराणा प्रताप के चित्र पर अतिथियों द्वारा पूजन माल्यार्पण के उपरांत शुरू हुए कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने श्रोताओं को जी भर गुदगुदाया। उन्होंने, भीख मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उसे भिखारी से और नेता ऊ जौन जीत कै कुछ काम न करें,दुइ दिन मा गुजरि जाय तो समझो बसंत है,जैसी पंक्तियों पर खूब तालियां बटोरी। वरिष्ठ कवि बाबू फतेह बहादुर सिंह ऋषिराज ने राणा प्रताप के शौर्य का बखान करते हुए अपनी ओज कविता पर खूब वाहवाही लूटी तो वहीं युवा ओज कवि बबलू सिंह बहियारी ने कहा–तुम्हारे संस्कारों का कवच पहने चला हूं मैं। विचारों को तुम्हारे ही सफल करने चला हूं मैं। प्रतापगढ़ से आए ओज के चर्चित हस्ताक्षर हरि बहादुर सिंह हर्ष ने पृथ्वीराज चौहान के शौर्य का बखान करते हुए खूब तालियां बटोरी। कवियों की प्रस्तुति के बाद मंच पर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया ।समिति के अध्यक्ष डीके सिंह एवं महामंत्री रवि करण सिंह तोमर ने सभी अतिथियों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

घर में घुसकर चोरी करने के आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। मोबाइल व नकदी चोरी करने के मामले में आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के असैनापुर गांव निवासी बद्री प्रसाद के पुत्र हरीलाल पाल ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बारह अक्टूबर को सुबह तीन बजे गांव के शैलेष वर्मा उर्फ पन्ने लाल पुत्र बृजपाल वर्मा ने मेरे तकिया के पास रखा मोबाइल फोन व आठ सौ रूपये नकद चुराकर भागने लगा। जानकारी पर परिजनों ने पीछा करते हुए शोर मचाया। शोर सुनकर गांव के जितेन्द्र कुमार वर्मा ने चोरी के आरोपी को धर दबोचा लेकिन वह धक्का देकर भाग निकलने में कामयाब रहा। पीडित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव ने बताया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

आरेडिका के केन्द्रीय विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायबरेली। स्वच्छता पखवाडे के तहत आरेडिका चिकित्सालय द्वारा आरेडिका परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 787 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. मनीष कुमार मंडल चिकित्सा अधिकारी (चाइल्ड स्पेशलिस्ट), डॉ. आकांक्षा (दंत चिकित्सक) एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा किया गया ।

स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 74 बच्चों में आंखों की समस्या, 5 में पीलिया, 2 में हृदय संबंधी, 1 में किडनी और 13 में कान, नाक, गले की समस्याएं पाई गई । सभी बच्चों के माता–पिता को सलाह दी गई कि वे चिकित्सालय आकर आगे के परीक्षण करवाएं । डॉ. भूमिका सिंह, आहार विशेषज्ञ, ने कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं के लिए आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया पर आधारित एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के साथ आहार और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों से संबंधित उनके प्रश्नों पर चर्चा की । स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों के स्वास्थ्य की स्थिति की जाँच करना और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करना था।

ये शहर छोड़ कर तुमको जाना पड़ा..

अझारा के छठवां राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में बही साहित्य गंगा की धार

कवि सम्मेलन में काव्यपाठ करते साहित्यकार.......... कवि सम्मेलन में मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के अझारा वार्ड में मां विन्ध्यवासिनी धाम परिसर में रविवार की रात परम्परागत छठवां काव्य संगम कवि सम्मेलन एवं मुशायरा सम्पन्न हुआ। मशहूर रचनाकारों की रचनाओं में सामाजिक विसंगतियों तथा राष्ट्रीय चेतना पर आधारित काव्यपाठ में कवि सम्मेलन को ऊंचाईयां प्रदान की। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज ने बतौर अतिथि मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। सुमधुर गीतकार डॉ. केशरी शुक्ल ने सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति देकर काव्य संगम को आगाज दिया। रायबरेली व बाराबंकी, लखनऊ, प्रयारागज तथा स्थानीय क्षेत्रीय कवियों ने गजल, गीत, मुक्तक तथा हास्य विधा मेंअपनी प्रस्तुतियों से बड़ी संख्या में मौजूद श्रोताओं को आधी रात तक आनंदित किये रखा। संदीप शरारती ने पढ़ा–सुपर थे सुपर हैं सुपर ही रहेंगे, ये मोछा हमेशा ऊपर ही रहेंगे। डॉ. केशरी शुक्ला की पत्तियां मन मुझे सौपकर तन लिये साथ में ये शहर छोडकर तुमको जाना पड़ा भी खूब पसन्द आयीं। फैयाज परवाना की रचना जिंदगी के फसाने में कोई नही पर भी तालियां खूब गूंजी। ओजकवि अंजनी अमोघ ने राष्ट्रीयता का जोश भरते हुए पढ़ा–लक्ष्मीबाई के कौशल से, रिपु सत्ता थर्राई थी पर कवि सम्मेलन ऊंचाईयों पर आ पहुंचा। अध्यक्षीय कवि जाने माने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अनुज नागेन्द्र ने अवधी की रचना का लोगों को भरपूर आंनद दिलाया। वहीं अनुज नागेन्द्र ने जब पढ़ा–जहां में नाम हिन्दुस्तान का ऊंचा रहे हरदम तब श्रोताओं के बीच भारत माता का जयघोष गूंज उठा। आशीष आनंद ने वृद्धा आश्रम पूछ रहे ये किसकी किसकी मां है पढ़कर माहौल को भावुक बना दिया। हास्य कवि नरकंकाल तथा बिहारी लाल अंबर ने कविता और मुक्तकों से लोगों को खूब गुदगुदाया। विनीत मिश्र का गो महिमा पर काव्यपाठ सराहा गया। कवि सम्मेलन का सफल संचालन संयोजक कवि शायर अनूप प्रतापगढ़ी ने जोरदार अंदाज में किया। रूरल बार के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने आयोजन समिति की ओर से रचनाकारों को स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर समाजसेवी प्रकाशचंद्र मिश्र, प्रधानाचार्य सुनील शुक्ल, पूर्व प्रधान विद्याशंकर मिश्र, गीतामैन राकेश त्रिपाठी, सभासद धर्मपाल गौतम, अजय दुबे, मुकेश तिवारी, श्यामकृष्ण शुक्ल, रवि शुक्ला, राकेश तिवारी, ललित त्रिपाठी, कुलदीप तिवारी, शास्त्री सौरभ, दिनेश सिंह, राकेश तिवारी गुडडू आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय.......

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस

अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है। जबकि पूरे चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी। हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। हरियाणा कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी इस बात को जानता था कि अगर उसको सत्ता मिल जाती तो इसका श्रेय प्रादेशिक नेताओं को कभी नहीं मिलता, लेकिन हार का हथोड़ा उनके सिर पर ही फोड़ा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को ज़मीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हरियाणा में लम्बे समय से सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रही थी। इसका एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेताओं ने लम्बे समय तक शासन का सुख भोगा है, इसलिए उनको सत्ता के सुख की आदत सी हो गई है। इस बार हरियाणा में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के बीच अलग से एक राजनीतिक युद्ध जैसा दिखाई दे रहा था। हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा से कम अपने ही नेताओं से ज्यादा लड़ रही थी। कहा जाता है कि किसी भी प्रकार की लड़ाई में दुश्मन तो स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो बिलकुल दोस्त जैसे ही हैं, लेकिन वे मुंह में राम बगल में छुरी रखकर चलते हैं। जहां अवसर मिलता है, वे सामने वाले के पैर खींचने का काम करते हैं। प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के बीच इसी प्रकार की दुश्मनी दिखाई दी। प्रदेश की प्रमुख महिला नेता शैलजा तो जैसे कोपभवन में ही बैठ गई थीं। वे जब सक्रिय हुई तब तक कांग्रेस बहुत प्रचार अभियान में बहुत पीछे जा चुकी थी। हरियाणा की राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाए तो बहुत पहले यह परिलक्षित होने लगा था कि इस बार भाजपा की सरकार नहीं बन सकती। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के विरोध में किसान और पहलवान एक प्रकार से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए देश भर के आंदोलनों के सूत्रधार बने हुए थे, कांग्रेस चाहती तो इस वातावरण का राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस के नेता स्थिति का अध्ययन इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि वे इस बात के लिए पूरी तरह आश्वस्त हो चुके थे कि कांग्रेस की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। बस कांग्रेस यहीं बड़ी चूक कर गई और हरियाणा में कांग्रेस के सपने एक बार फिर चकनाचूर होते चले गए। ऐसे अब कांग्रेस को सिरे से चिंतन और मंथन करने की आवश्यकता है। हालांकि देश में 2014 के बाद विभिन्न प्रकार के 47 चुनाव हुए, जिसमें से 36 चुनावों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। हर पराजय के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन करने की बात की जाती है, लेकिन इस चिंतन में शीर्ष नेतृत्व पर उंगली उठाने का साहस किसी में नहीं होता। अंततः वही होता है, जैसा राहुल गांधी चाहते हैं। वर्तमान में भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह सभी जानते हैं। हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को सत्ता के सिंहासन से उतार कर भाजपा ने यह संकेत तो कर ही दिया था कि भाजपा के पक्ष में सब कुछ ठीक नहीं था। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर इस माहौल को परिवर्तित करने का प्रयास किया। भाजपा का यह कदम उसके लिए संजीवनी का काम कर गया जो भाजपा के लिए जीवनदान साबित हुआ। वहीं कांग्रेस की कमजोरी यह भी रही कि वह राजनीतिक वातावरण का अध्ययन करने में चूक गई। हरियाणा में कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व गुटों में विभाजित है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा स्वयं को कांग्रेस का सर्वेसर्वा मानकर ही राजनीति करते रहे। यही कांग्रेस के आत्मघाती साबित हुआ। अब कांग्रेस के नेताओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि बदले हुए राजनीतिक हालात में राजनीति कैसे की जाती है, क्योंकि अब राजनीति परिदृश्य बदल चुका है। देश के कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ आना नहीं चाहते। राजनीतिक मज़बूरी उनको साथ बनाए हुए है।

महंगाई की मार और त्यौहार

प्रेम शर्मा

इन व्रत में आमतौर पर व्रत रखने वाले फलाहार लेते हैं, लेकिन फलों की कीमतों में उछाल के चलते बाजार में मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास फलों के दाम तो पूछते,लेकिन लेने के बजाए आगे बढ़ जाते। इस वक्त फल ही नहीं, सब्जियां भी रसोई का बजट बिगाड़ रही हैं।

महंगाई की मार ने त्योहारी रंग फीका कर दिया है। केवल लग्जरी आइटम या फिर जूते, कपड़े, ड्राइंगरूम व बेडरूम तथा रसोई का समान ही महंगा नहीं है। बाजार में सबसे बुरा हाल तो फल व सब्जियों का है। नवरात्र व्रत शुक्रवार को निपटे हैं। इन व्रत में आमतौर पर व्रत रखने वाले फलाहार लेते हैं, लेकिन फलों की कीमतों में उछाल के चलते बाजार में मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास फलों के दाम तो पूछते,लेकिन लेने के बजाए आगे बढ़ जाते। इस वक्त फल ही नहीं, सब्जियां भी रसोई का बजट बिगाड़ रही हैं। टमाटर 100 और 120 रुपये प्रतिकिलो जा पहुंचा है। जबकि सेब का रेट 100 रुपये प्रति किलो है। इस बार व्रत में अच्छा केला 100 रुपये दर्जन तक बिका है। फल मंडी के आढ़ती भी मान रहे हैं कि इस बार महंगाई सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करने पर आमादा है।खाद्य तेल की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इसमें सरसों के तेल से लेकर पाम आयल, सूरजमुखी, नारियल, मूंगफली और अन्य तेल भी शामिल हैं। सामने पेरा गया सरसों के तेल की कीमत 140 रुपये प्रति लीटर से 160 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे देश में इनकी कमजोर फसल का होना और खाद्य तेलों की लगातार विदेश आयात पर निर्भरता बढ़ने को बताया गया है। पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। वैसे महंगाई से सम्पूर्ण विश्व प्रभावित है। लेकिन भारत में जमाखोरों और खुदरा बाजार सरकार के नियंत्रण से बाहर होने के कारण स्थिति दिन पद दिन बद्तर हुई है। असमान आय के मामले में भारत में महंगाई चरम पर दिखाई पड़ती है। क्योकि आज भी भारत में आधी से अधिक आबादी महीने में दस हजार से अन्दर की आय में तथा 25 प्रतिशत आबादी पॉच हजार रूपये महीने की आय पर निर्भर है। इन दिनों ईरान और इस्राइल सहित पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष तथा रूस—यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने से भारत के समक्ष कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा इस्राइल और ईरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। वैश्विक शेयर बाजार के साथ—साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पड़ना शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढ़ने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना कुछ निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्तूबर, 2024 का पहला सप्ताह 4.5 फीसदी के नुकसान के साथ दो साल की सबसे बड़ी गिरावट का सप्ताह रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीद का भी रुख कर रहे हैं। इससे भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ने लगी है। ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। इसीलिए मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे—धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है।यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर—वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

ग्लोबल हिंसा-युद्ध अब खत्म होना चाहिए विलुप्त संवेदनाओं का दौर

संजीव ठाकुर

किसी बात से असहमत होना और उसका हिंसात्मक विरोध करना दोनों अलग—अलग पहलू है। किसी विचार या मुद्दों से असहमती के प्रतिफल में हिंसा या क्रूरता नहीं की जा सकती। विचारों से असहमति और हिंसा के विरोध में प्रतिहिंसा समस्या का हल नही हो सकता है। सबसे ताजा क्रूर और हिंसात्मक परिणाम फिलिस्तीन—इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है। जिसमें 20000 लोगों की जान चली गई और 50000 लोगों से ज्यादा घायल मानविय शरीर कराह रहे हैं। इसराइल ने फिलीस्तीन, हमास,लेबनान को तबाह कर दिया है आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूत करने की बात तो एक बार समझ में आती है पर लेबनान के 50 लाख लोगों को देश छोड़ने पर मजबूर कर देना तानाशाही का एक भयानक रूप ही दिखाई देता है। इसके बाद भी उसकी हिंसा की प्यास नहीं बुझी है। दूसरी तरफ रूस यूक्रेन युद्ध को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है इस युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। दोनों देशों के अरबों रुपए इस युद्ध में खर्च हो चुके हैं यदि इस धनराशी का विकास के लिए मानव शांति के लिए उपयोग किया गया होता तो आज दोनों देशों में शांती के साथ विकास की गंगा बहने लगी होती। आखिर मानविय संवेदनाओं को क्या हो गया है, इंसान इंसान का इतना बड़ा दुश्मन कैसे बन गया है, लोग एक दूसरे के खून के प्यासे क्यों हो गए हैं। उधर नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका को इजराइल का साथ न देने की स्पष्ट चेतावनी देकर कहा है कि यदि वह इजराइल पिलिस्तानी लेबनान ईरान युद्ध में बीच में आया तो उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा। जब तक विश्व में व्लादिमीर पुतिन, सी जिन पिंग,नेतन्याहू और किम जोंग—उन जैसे खून के प्यासे तानाशाह रहेंगे विश्व में शांति स्थापना की कल्पना करना नामुमकिन ही होगा। आज वैश्विक शांति में खलबली मची हुई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे शांतिप्रिय, निर्गुण देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए। उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत का एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।यहां वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया—प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंस देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघार्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए—नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग—अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 77 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय—समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

ईवीएम संदिग्धताः या इलाही ये माजरा क्या

तनवीर जाफरी

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज द्वारा किये गए एक्जिट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया बल्कि बड़े बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया। मजे की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गदगद नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा भी यह एहसास था कि किसान आंदोलन,अग्निवीर योजना व पहलवानों जैसे ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी संभावना के तहत भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। इस कवायद के बावजूद 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गये। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हजार से भी कम है। आठ अक्टूबर को जब सुबह मतगणना शुरू हुई उस समय एग्जिट पोल द्वारा घोषित पूर्वानुमानों के अनुरूप ही कांग्रेस की भारी जीत के रुझान सामने आने लगे। बताया गया कि बैलट पेपर की गिनती में कांग्रेस तेजी से आगे जा रही थी परन्तु जैसे ही ई वी एम के मतों की गिनती शुरू हुई आंकड़ों ने उसी तेजी से करवट लेना शुरू कर दिया। उसी समय पूरे देश के सोशल मीडिया पर यह संदेह जाहिर किया जाने लगा कि क्या भाजपा द्वारा फिर श्खेला श कर दिया गया ? और शाम होते होते भाजपा राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत दर्ज करने व जरूरी बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चली। जबकि एक्जिट पोल के अनुसार 50 से 65 सीटें जीतने की उम्मीद रखने वाली कांग्रेस को मात्र 37 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इन चुनाव परिणामों ने निश्चित रूप से सभी को हैरान इसलिये भी कर दिया क्योंकि राज्य से भाजपा की हरियाणा में सत्ता से बिदाई की रिपोर्ट्स केवल मीडिया आधारित नहीं थी बल्कि स्वयं अनेक सरकारी एजेंसीज ने भी यही फीड बैक दिया था। इसीलिये भाजपा के पक्ष में आये इन अप्रत्याशित परिणामों को लेकर संदेह पैदा होना स्वभाविक भी था। और इसतरह निशाने पर एक बार फिर ई वी एम आ गयी। कांग्रेस ने सीधा आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कई जगह ई वी एम को हैक किया गया है। यह सवाल भी उठा कि अनेक ई वी एम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95 : तक दिखा रही थी जबकि मतदान के अंतिम समय में प्रायः ई वी एम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60 से 70: के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप है कि जहां जहां ई वी एम में बैटरी कम थी उनमें प्रायः कांग्रेस को बढ़त मिली है। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ई वी एम को बदल दिया गया। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इसतरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज की गई है। सवाल यह है कि जब राहुल गांधी ने 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि राजा की आत्मा ईवीएम में है, उस समय केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि एम के स्टालिन व फारूक अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉफ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों ? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ई वी एम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ई वी एम ठीक थी? और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ई वी एम को ही गलत बताते हैं फिर आखिर अब तक पूरे विपक्ष ने मिलकर ई वी एम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया ? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा चलाये जा रहे ई वी एम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुलकर साथ नहीं दिया ? यदि वास्तव में ई वी एम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिये घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिये। यहाँ तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता,तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ई वी एम से चुनाव नहीं चाहता तो इसके द्वारा होने वाले चुनावों का बहिष्कार तक किया जाना चाहिये।

बाबा सिद्दीकी की हत्या से सदमे में शिल्पा शेट्टी, वीडियो में फूट-फूटकर रोती दिखीं एक्ट्रेस

मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसने पूरे बॉलीवुड और राजनीतिक जगत को हिला कर रख दिया है। बाबा सिद्दीकी की हत्या ने न केवल राजनीति बल्कि फिल्मी दुनिया में भी गहरे जख्म छोड़े हैं। वे बॉलीवुड के बड़े सितारों से करीबी रिश्ता रखते थे, इसलिए उनकी मौत की खबर सुनकर फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। यह दिल दहला देने वाली घटना शनिवार की रात को मुंबई के बांद्रा इलाके में हुई। बाबा सिद्दीकी अपने ऑफिस से घर के लिए निकल रहे थे, तभी उन पर अपराधियों ने घात लगाकर हमला किया। उन्हें सीने और पेट में गोलियां मारी गईं। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण डॉक्टर उन्हें बचाने में नाकाम रहे। रात करीब 11 बजे के आसपास उनकी मौत की पुष्टि की गई। मुंबई पुलिस ने इस हत्या के सिलसिले में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह एक सुनियोजित हमला था। अपराधियों ने पहले से ही उनके आने–जाने की गतिविधियों पर नजर रखी और सही मौके पर उन पर हमला किया। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है और इस हत्या के पीछे के मकसद को खोजने की कोशिश कर रही है। बाबा सिद्दीकी की हत्या से बॉलीवुड जगत में भी हलचल मच गई। सलमान खान, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी सहित कई बड़े सितारे अस्पताल पहुंच गए। सलमान खान, जो उस समय बिग बॉस 18 की शूटिंग कर रहे थे, उन्होंने शूटिंग को रद्द कर दिया और तुरंत लीलावती अस्पताल पहुंचे। संजय दत्त को भी अस्पताल के बाहर देखा गया, वे बाबा सिद्दीकी के करीबी दोस्तों में गिने जाते थे। शिल्पा शेट्टी को इस घटना से गहरा आघात पहुंचा है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे कार में बैठी फूट–फूटकर रोती नजर आ रही हैं। सफेद शर्ट पहने शिल्पा शेट्टी अपनी आंखों से आंसू पोंछते हुए बेहद भावुक दिखाई दे रही हैं। इससे पहले, उन्हें अपने पति राज कुंद्रा के साथ अस्पताल पहुंचते हुए भी देखा गया था।बॉलीवुड के अन्य सितारों की तरह, रितेश देशमुख ने भी सोशल मीडिया पर अपने शोक संदेश में बाबा सिद्दीकी के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ष्बाबा सिद्दीकी जी की मौत से बेहद दुखी और शॉक्ड हूं। मेरे पास शब्द नहीं हैं अपना दुख बयां करने के लिए। इस मुश्किल घड़ी में परिवार को हिम्मत मिले। इस जघन्य अपराध को जन्म देने वालों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाए। रितेश का यह संदेश उनके बाबा सिद्दीकी के साथ गहरे व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाता है और उन्होंने अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग भी की। बाबा सिद्दीकी की लोकप्रियता न केवल राजनीति बल्कि बॉलीवुड में भी थी। वे हर साल रमजान के महीने में एक भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन करते थे, जिसमें बॉलीवुड के बड़े–बड़े सितारे शरीक होते थे। सलमान खान, शाहरुख खान, और संजय दत्त जैसे सुपरस्टार्स उनके खास मेहमान होते थे। 2013 में उनकी एक इफ्तार पार्टी में सलमान और शाहरुख ने सालों पुरानी दुश्मनी को खत्म करते हुए एक–दूसरे को गले लगाया था। उस घटना ने बाबा सिद्दीकी की छवि को और भी बड़ा बना दिया था।बाबा सिद्दीकी की मौत के बाद से बॉलीवुड और राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा, संजय दत्त, सलमान खान और अन्य कई सितारे अपनी संवेदनाएं प्रकट करने के लिए

> " शिल्पा शेट्टी को इस घटना से गहरा आघात पहुंचा है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे कार में बैठी फूट-फूटकर रोती नजर आ रही हैं। सफेद शर्ट पहने शिल्पा शेट्टी अपनी आंखों से आंसू पोंछते हुए बेहद भावुक दिखाई दे रही हैं। इससे पहले, उन्हें अपने पति राज कुंद्रा के साथ अस्पताल पहुंचते हुए भी देखा गया था।

अस्पताल पहुंचे। बाबा सिद्दीकी का राजनीतिक करियर जितना शानदार था, उतना ही उनका फिल्मी सितारों के साथ संबंध भी गहरा था।मुंबई पुलिस अब इस हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच में जुट गई है। शुरुआती जांच में यह पता चला है कि यह हत्या पूरी तरह से सुनियोजित थी। पुलिस ने पहले ही तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस मामले में और खुलासे होंगे।बाबा सिद्दीकी के जाने से एक युग का अंत हो गया है। उनके राजनीतिक और सामाजिक योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से परिवार, दोस्तों और समर्थकों पर गहरा असर पड़ा है। अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले को किस तरह से सुलझाती है और दोषियों को न्याय के कटघरे में कब लाती है।

बाबा सिद्दीकी की मौत की खबर सुन सलमान खान ने बिग बॉस की शूटिंग रद्द कर दी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर के बाद अपने रियलिटी शो बिग बॉस 18 की शूटिंग रद्द कर दी है। एनसीपी, अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मार कर हत्या कर दी गई। गोलीबारी की घटना बाबा के बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर हुई। जीशान का ऑफिस बांद्रा इलाके के निर्मल नगर स्थित कोलगेट मैदान के पास है। खबरों के मुताबिक, सलमान ने शनिवार को शबिग बॉसश की शूटिंग रद्द कर दी और अपने शो के सेट से मुंबई के लीलावती अस्पताल पहुंचे।इस बीच, हत्या के बाद सलमान खान के आवास के बाहर सिक्युरिटी बढ़ा दी गई है। घर के बाहर किसी को ठहरने की इजाजत भी नहीं दी गई है।बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में सुनने के बाद शनिवार की देर रात लीलावती अस्पताल पहुंचे। सलमान और बाबा सिद्दीकी करीबी दोस्त थे क्योंकि राजनेता उसी निर्वाचन क्षेत्र से आते थे जहां सलमान रहते हैं। बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी को हाई–प्रोफाइल कार्यक्रमों में से एक माना जाता था। इसमें फिल्म जगत के नामचीन लोग शामिल होते थे। 2013 में बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी ने बॉलीवुड के दो सुपरस्टार सलमान खान और शाहरुख खान के बीच लंबे समय से चले आ रहे झगड़े को खत्म किया गया था। सालों तक चले इस झगड़े ने पूरे बॉलीवुड को दो खेमों में बांट दिया था। बाबा सिद्दीकी की पार्टी में दोनों ने गले मिलकर एक–दूसरे को बधाई दी थी, जिससे इंडस्ट्री में राहत की सांस ली थी और दोनों खेमों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला था। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की बर्खास्तगी से जुड़े दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

दिशा पटानी ने 'दशहरा' के अवसर पर शेयर किया देसी लुक, लहंगे में बिखेरा हुस्न का जलवा

देशभर में आज दशहरा का पर्व मनाया जा रहा है। इस बीच बॉलीवुड भी विजयादशमी के रंग में रंगा नजर आ रहा है। एक्ट्रेस दिशा पटानी ने शनिवार को दशहरा के अवसर पर अपने देसी लुक को सोशल मीडिया पर शेयर किया। वह ऑलिव ग्रीन रंग के लहंगे में ग्लैमरस दिख रही हैं। दिशा पटानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में वह ऑलिव ग्रीन रंग का लहंगा पहने दिख रही हैं। उन्होंने लहंगे के साथ बैकलेस टॉप पहना हुआ है और कानों में सिंपल इयररिंग्स पहन रखे हैं। दिशा ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में एक एमोजी का इस्तेमाल किया है। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2015 में तेलुगु फिल्म लोफर से डेब्यू किया था। बाद में वह मीत ब्रदर्स के एक वीडियो सॉन्ग में दिखाई दी थीं। फिल्म एम.एस. धोनी द अनटोल्ड स्टोरी में निभाए गए किरदार की वजह से उनके काम को काफी सराहा गया था। दिशा को साल 2019 में फोर्ब्स इंडिया की सेलिब्रिटी 100 की लिस्ट में जगह मिली थी। इसके अलावा उन्हें टाइम्स की 50 वुमेन की लिस्ट में भी शामिल किया गया था। उन्होंने 2017 में 19वां, 2018 में 9वां और 2020 में तीसरा स्थान हासिल किया था। दिशा मार्च 2023 में अमेरिका में आयोजित हुए द एंटरटेनर्स टूर का भी हिस्सा थीं। इसमें अक्षय कुमार, जहरा एस खान, सोनम बाजवा, अपारशक्ति खुराना, नोरा फतेही, स्टेबिन बेन और मौनी रॉय भी दिखाई दिए थे। दिशा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ष्वेलकम टू द जंगलष की शूटिंग भी कर रही हैं। वेलकम टू द जंगल को अहमद खान डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, मुकेश तिवारी, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा और सयाजी शिंदे अहम भूमिकाओं में है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या से सदमे में रितेश देशमुख, कहा–अपराधियों को कटघरे में लाया जाना चाहिए

मुंबई में शनिवार को बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. बाबा सिद्दीकी फिलहाल एनसीपी अजित गुट के नेता था और लंबे समय तक कांग्रेस में रहे थे. राजनीति के साथ–साथ बॉलीवुड और मुंबई में रहने वाले फिल्मी सितारों से उनके अच्छे ताल्लुकात थे. उनकी हत्या के बाद बॉलीवुड में उनक करीबी सदमे में हैं, कई स्टार्स ने पोस्ट करके ना सिर्फ अपना दुख व्यक्त किया है बल्कि ऐसा करने वालों को सजा देने की मांग की है.हिंदी और मराठी फिल्मों के एक्टर रितेश देशमुख ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है– बाबा सिद्दीकी जी की मौत से बेहद दुखी और शॉक्ड हूं. मेरे पास शब्द नहीं है अपना दुख बयां करने के लिए. इस मुश्किल घड़ी में परिवार को हिम्मत मिले. इस जघन्य अपराध को जन्म देने वालों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाए. वहीं सलमान खान, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी जैसे स्टार्स बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर सुनते ही हॉस्पिटल पहुंचे.बता दें कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के सिलसिले में तीन लोग संदिग्ध बताए जा रहे हैं. दो की गिरफ्तारी भी मुंबई पुलिस ने शनिवार रात कर ली थी. ये घटना उस वक्त हुई जब बाबा सिद्दीकी अपने ऑफिस से निकल रहे थे. वहीं घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया. उनके सीने और पेट में गोलियां लगी, उन्हें तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टर्स उन्हें बचा नहीं पाए. बाबा सिद्दीकी लंबे समय तक कांग्रेस के नेता रहे. कई बार मुंबई से वो विधायक बने. नेता होने के साथ साथ वो बॉलवुड में भी काफी एक्टिव थे. सलमान खान, शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों से उनकी अच्छी खासी दोस्ती थी. बाबा सिद्दीकी हर साल रमजान के महीने में इफ्तार पार्टी दिया करते थे। इस इफ्तार पार्टी में बड़े सितारों से लेकर करीब हर बॉलीवुड हस्ती शामिल होती थीं।

रियलिटी शो बिग बॉस 18 का पहला वीकेंड का वार धमाकेदार, मल्लिका शेरावत ने शो में डाला तड़का

रियलिटी शो बिग बॉस 18 शुरू हो चुका है और अब इस सीजन का पहला वीकेंड का वार भी आ गया है। सलमान खान ने शो को होस्ट किया और पहले वीकेंड पर सब कुछ शांत रहा। शांति के साथ–साथ शो में इस बार तड़का लगाया है बॉलीवुड ब्यूटी मल्लिका शेरावत ने। इस बार राजकुमार राव और तृप्ती डिमरी अपनी फिलल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का प्रमोशन करने के लिए बीबी के सेच पर आये और सलमान खान के साथ काफी समय बिताया। इसके बाद सेट पर मल्लिका शेरावत आयी और काफी समय तक सेट पर रही। उन्होंने वीकेंड का वार में माहौल बना दिया। उन्होंने घर वालों के साथ काफी ज्यादा वक्त बिताया। कलर्स टीवी द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में मल्लिका शेरावत को बिग बॉस 18 में आते और सलमान खान के साथ मंच साझा करते देखा जा सकता है। नारंगी लहंगा पहने हुए, वह खान से आंखों में देखने के लिए कहती है, और उन्हें "भारत का सबसे योग्य कुंवारा" कहती है। वह कहती है, "आप मेरी आंखों में हो, आप मेरे दिल में हो," और उसके गाल पर एक चुम्बन भी देती है। मल्लिका शेरावत अपनी नवीनतम फिल्म विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो बिग बॉस 18 में प्रमोट किया। यह दो साल के ब्रेक के बाद मल्लिका शेरावत की बॉलीवुड में उनकी वापसी है। सिर्फ मल्लिका शेरावत ही नहीं, बल्कि विक्की कौशल के श्वो वाला वीडियोश के लीड स्टार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी भी बिग बॉस के घर में आने वाले हैं। इसके अलावा लाफ्टर शेफ स्टार भारती सिंह, कृष्णा अभिषेक और सुनील लहरी भी रविवार को कॉमेडी का तड़का लगाएंगे। लेटेस्ट प्रोमो देखने के बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि बिग बॉस 18 का पहला वीकेंड का वार वाकई धमाकेदार होने वाला है। बिग बॉस 18 में जैसे–जैसे कंटेस्टेंट्स की एंट्री हो रही है, वैसे–वैसे यह और भी रोमांचक होता जा रहा है। पहले हफ्ते में दर्शकों का खूब मनोरंजन हो रहा है, ड्रामा, नॉमिनेशन और नई दोस्ती देखने को मिल रही है। लोग इस बात को लेकर भी उत्सुक हैं कि इस सीज़न में कंटेस्टेंट्स कितनी कमाई कर रहे हैं।

मिनटों में गायब होंगे चेहरे के पिंपल्स से लेकर झुर्रियां, बस इस तरह से लगाएं कच्ची हल्दी

क्या आपने कभी सोचा है कि शादी से पहले के उत्सवों के दौरान हल्दी समारोह क्यों किया जाता है? यह सदियों पुराना अनुष्ठान जोड़े के लिए एक नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है और यह भी माना जाता है कि हल्दी जल्द ही शादी करने वाले जोड़े को बुरी नज़र से बचाता है। शादी से पहले हल्दी या कच्ची हल्दी लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि दूल्हा और दुल्हन को चमकदार और साफ त्वचा का आशीर्वाद मिले। ऐसा इसलिए है क्योंकि हल्दी अपने उपचार, सूजन–रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। कच्ची हल्दी खनिज और विटामिन से भरपूर होती है। यह भी माना जाता है कि पाउडर या सूखे रूपों की तुलना में इसमें कर्क्यूमिन की उच्च सांद्रता होती है। साथ ही, हल्दी उत्पादों में पाए जाने वाले रासायनिक तत्व फायदे से ज्यादा नुकसान कर सकते हैं।

त्वचा की देखभाल के लिए कच्ची हल्दी को शामिल करें

मुंहासे सबसे आम त्वचा समस्याओं में से एक है जो सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करती है। मुंहासों के इलाज के लिए कच्ची हल्दी एक बेहतरीन उपाय हो सकती है। यह त्वचा की सूजन को कम करता है और मुंहासों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा, फार्माट्यूटर में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि करक्यूमिन ब्रेकआउट से लड़ सकता है।

नेचुरल चमक

चमकदार, प्राकृतिक रूप से दमकती त्वचा पाने का सपना कौन नहीं देखता? कच्ची हल्दी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को फिर से जीवंत करने, प्राकृतिक चमक देने में सहायता करते हैं। हल्दी को ज्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहिए नहीं तो यह त्वचा को पीलापन दे सकती है।

नमी प्रदान करता है

सर्दियों का मौसम त्वचा की कई समस्याओं के साथ आता है, जिसमें रूखापन भी शामिल है, जिससे हमारा चेहरा सुस्त दिखने लगता है। त्वचा को गहरी नमी प्रदान करने के लिए घर पर बना हल्दी मास्क या पैक लगाना बहुत उपयोगी हो सकता है। यह मृत त्वचा कोशिकाओं को भी हटाता है जिससे नई त्वचा कोशिकाओं का पुनर्जनन होता है।

समय से पहले बुढ़ापा कम करता है

यूवी किरणों और पर्यावरण प्रदूषण के संपर्क में आने से त्वचा के प्राकृतिक तेल संतुलन में बाधा आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप महीन रेखाएं, झुर्रियां और उम्र के धब्बे सहित समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने लगती है। करक्यूमिन, एक उच्च एंटीऑक्सीडेंट यौगिक होने के कारण, कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है और आपकी त्वचा की लोच को मजबूत करता है।

खाली पेट पपीता का सेवन किसी रामबाण से कम नहीं है, मिलते हैं जबरदस्त फायदे

स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ आदतें को अपनाना काफी जरुरी होता है। अगर सुबह की शुरुआत हेल्दी खाने से की जाए, तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। रोजाना खाली पेट पपीता खाने से सेहत को जबरदस्त फायदे मिलते हैं। पपीता न्यूट्रिएंट्स का पावर हाउस होता है, इसके सेवन से सेहत मस्त रहती है। पपीता में विटामिन ए, सी, ई से लेकर माइक्रो न्यूट्रिएंट्स फोलेट, पोटैशियम, कॉपर और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है। इसके साथ ही पपीता डाइजेशन के लिए काफी बढ़िया है। आइए जानते हैं रोजाना खाली पेट नाश्ते में पपीता खाने से क्या होता है?

कब्ज और डाइजेशन की समस्या दूर होती है

यदि आपको कब्ज की दिक्कत रहती है, खाना भी नहीं पचता और अपच हो जाती है तो पपीता खाएं। पेपिन एंजाइम कब्ज से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही डाइजेशन का बेहतर करता है। खाली पेट पपीता खाने से बॉडी डिटॉक्स होती है। चाहें आप शाम को भी स्नैक्स में पपीता खा सकते हैं।

पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब करता

शाम को स्नैक्स टाइम पर पपीता खाने से करीब दो घंटे बाद पपीता खाते हैं। यह जरुरी न्यूट्रिएंट्स को तेजी से अब्जॉर्ब करता है।

बॉडी डिटॉक्स करता है

दरअसल, पपीता में फाइबर की मात्रा बहुत होती है। अगर आप खाली पेट पपीता खाते हैं तो शरीर में फाइबर का कंटेट बढ़ता है और सारे टॉक्सिंस को आसानी से बाहर निकालता है। जिससे बॉडी की सारी गंदगी बाहर आ जाती है।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता

गौरतलब है कि खाली पेट ब्लड शुगर लेवल अचानक से बढ़ने लगता है। ऐसे में सुबह पपीता खाने से ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकता है और ग्लाइसेमिक कंट्रोल में रखता है।

भूख कंट्रोल करता है

यदि आप खाली पेट ब्रेकफास्ट में पपीता खाते हैं तो इससे पेट भरा हुआ महसूस करता है और भूख शांत रहती है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

विटामिन सी और ई से भरपूर होता है पपीता। इसके सेवन से स्किन को काफी फायदा होता है। खाली पेट खाने से स्किन के लिए जरुरी न्यूट्रिएंट्स भी बॉडी सोख लेता है। इससे स्किन चमकने लगती है और टाइट बनी रहती है। चेहरे की झुर्रियां भी गायब हो जाती है।

बेटी को पहनाना है लहंगा-चोली या सूट? इन स्टार किड्स के ट्रेडिशनल स्टाइल से लें सकते हैं आइडिया

कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपनी छोटी बेटियों को इंडियन आउटफिट में स्टाइल करते हैं, जिससे वे न केवल पारंपरिक लुक को अपनाते हैं, बल्कि उनकी बेटियां भी खूबसूरत और संस्कारी दिखाई देती हैं। इन स्टार किड्स से आप भी अपनी बेटी के लिए कुछ शानदार आइडियाज ले सकती हैं। आइए जानते हैं उन सेलेब्रिटीज के बारे में जिन्होंने अपनी बेटियों को इंडियन आउटफिट पहनाया और अपने फैंस को फैशन इंस्पिरेशन दी

बिपाशा बसु की बेटी देवी

बिपाशा बसु की बेटी देवी भी कई बार इंडियन वियर पहन चुकी है। हाल ही में सामने आई तस्वीरें में उननकी छोटी सी बच्ची लाल लहंगे में बेहद सुंदर लग रही थी। देवी ने मैचिंग दुपट्टा भी कैरी किया हुआ था। आप भी अपनी बेटी के इंडियन लुक के साथ ये क्यूट सा हेयरस्टाइल बना सकती हैं।

शिल्पा शेट्टी की बेटी समीशा शेट्टी कुंद्रा

शिल्पा शेट्टी की बेटी समीशा इंडियन आउटफिट्स में बेहद क्यूट लगती हैं। शिल्पा ने गणेश चतुर्थी और दिवाली जैसे त्योहारों पर समीशा को लहंगा–चोली या सलवार–कमीज में तैयार किया है। इस बेबी लहंगे से आप भी अपनी बेटी के लिए एक प्यारा और पारंपरिक लुक चुन सकती हैं।

सोहा अली खान की बेटी इनाया नौमी खेमू

सोहा अली खान की बेटी इनाया अक्सर खूबसूरत इंडियन आउटफिट्स में नजर आती हैं। इनाया को पारंपरिक कुर्ता सेट्स, लहंगा–चोली और खास मौकों पर खूबसूरत एथनिक ड्रेस पहने देखा गया है। उनकी प्यारी–सी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं और उनकी एथनिक स्टाइल छोटे बच्चों के लिए एक बेहतरीन इंस्पिरेशन है।

मीराबाई राजपूत की बेटी मीशा कपूर

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की बेटी मीशा कपूर भी इंडियन आउटफिट्स में बेहद प्यारी लगती हैं। मीरा अक्सर मीशा को पारंपरिक कपड़ों में स्टाइल करती हैं। चाहे वह त्योहार हो या शादी का कोई खास फंक्शन, मीशा को हमेशा एथनिक ड्रेस में देखा जा सकता है। उनका लहंगा–चोली लुक या अनारकली सूट का स्टाइल आपके लिए एक आदर्श प्रेरणा हो सकता है।

ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन

ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन हमेशा ट्रेडिशनल इंडियन आउटफिट्स में एलिगेंट लगती हैं। चाहे वह गणपति पूजा हो या किसी फैमिली फंक्शन में, आराध्या को अक्सर अनारकली सूट, लहंगा पहने देखा गया है। उनका ट्रेडिशनल स्टाइल आपको बेटी के लिए कुछ रॉयल और ग्रेसफुल फैशन टिप्स दे सकता है।

सनी लियोनी की बेटी निशा कौर वेबर

सनी लियोनी की गोद ली हुई बेटी निशा कौर वेबर को भी सनी ने कई मौकों पर खूबसूरत एथनिक ड्रेस में स्टाइल किया है। निशा के इंडियन वियर में लहंगा, अनारकली और कुर्ता–पायजामा सेट्स आपको अपनी बेटी के लिए त्योहारों या खास मौकों पर ड्रेस चुनने में मदद कर सकते हैं।

महीनों खराब नहीं होंगी मिठाई, जब आजमाएंगे स्टोर करने के ये आसान से तरीके

त्योहारों में अक्सर मिठाई बहु ज्यादा आ जाती है, जिसे संभालना बेहद मुश्किल भरा काम है। मिठाइयों में दूध, घी और अन्य सामग्री का इस्तेमाल होता है, जो जल्दी खराब हो सकते हैं, इसलिए इन्हें सुरक्षित तरीके से स्टोर करना जरूरी है। बची हुई मिठाई को सही तरीके से स्टोर करने से उनकी ताजगी बनाए रखी जा सकती है और वे जल्दी खराब नहीं होतीं। यहां कुछ आसान तरीके बताए गए हैं जिनसे आप बची हुई मिठाई को ज्यादा समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

मिठाइयों को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें। यह हवा के संपर्क से मिठाई को बचाता है, जिससे वह ज्यादा दिनों तक ताजगी बनाए रखती है और खराब नहीं होती। जिन मिठाइयों में दूध, क्रीम या मावा का इस्तेमाल हुआ है, उन्हें फ्रिज में रखना सबसे अच्छा है। इन्हें स्टोर करते समय एयरटाइट कंटेनर या अच्छी क्वालिटी के प्लास्टिक रैप में ढक दें। ठंडे तापमान में मिठाई ज्यादा समय तक ताजी रहती है और उसमें बैक्टीरिया नहीं पनपते, जिससे वे जल्दी खराब नहीं होतीं।

फ्रीजर में स्टोर करें

अगर मिठाई जल्दी इस्तेमाल में नहीं आनी है, तो आप इसे फ्रीजर में भी स्टोर कर सकते हैं। बस मिठाई को एयरटाइट कंटेनर में रखें या प्लास्टिक रैप से ढक दें। मिठाइयाँ फ्रीजर में कई हफ्तों तक सुरक्षित रह सकती हैं। जब इन्हें इस्तेमाल करना हो, तो निकालकर सामान्य तापमान पर पिघला लें। कुछ मिठाइयां जैसे रसगुल्ला या गुलाब जामुन में ज्यादा नमी होती है। इन्हें स्टोर करते समय एक किचन पेपर में लपेट कर रखें। इससे अतिरिक्त नमी किचन पेपर में सोख ली जाती है। मिठाई में फालतू नमी नहीं रहेगी और वह ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रहेगी।

एक साथ अलग–अलग मिठाइयां न रखें

एक ही कंटेनर में अलग–अलग प्रकार की मिठाइयाँ रखने से उनकी खुशबू और नमी आपस में मिक्स हो सकती है, जिससे मिठाइयां जल्दी खराब हो सकती हैं। हर मिठाई का स्वाद और गुणवत्ता बरकरार रहती है। स्टोर की गई मिठाइयों को नियमित रूप से जांचते रहें ताकि अगर वे खराब होने लगें तो समय रहते उपयोग कर सकें या हटा सकें। इससे आप बचे हुए मिठाई का सही उपयोग कर पाएंगे और कोई मिठाई बर्बाद नहीं होगी।

खास मिठाइयों के लिए अलग स्टोरेज टिप्स

रसगुल्ला,गुलाब जामुन, इन्हें हमेशा उनके सिरप के साथ फ्रिज में रखें और 2–3 दिनों के भीतर इस्तेमाल कर लें।

मावा और दूध से बनी मिठाई जैसे कि खीर, बर्फी, पेड़ा – इन्हें फ्रिज में रखें और 2–3 दिनों में इस्तेमाल कर लें।

लड्डूब्बर्फी (सूखी मिठाइयां): इन्हें एयरटाइट डिब्बे में कमरे के तापमान पर रखा जा सकता है।

लिविंग एरिया को है चमकाना तो विनेगर का ऐसे करें इस्तेमाल

अगर आपके लिविंग एरिया में रखे सोफे या आर्मचेयर से थोड़ी बासी गंध आती है, तो सिरके से सफाई करें। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सिरका मिलाएं। अब इसमें लैवेंडर या नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालकर मिक्स करें।

लिविंग रूम घर का ऐसा हिस्सा होता है, जहां पर कोई भी व्यक्ति आकर बैठता है। ऐसे में अगर लिविंग एरिया गंदा हो या फिर वहां से अजीब सी स्मेल आ रही हो तो इससे आपकी पर्सनैलिटी पर भी नेगेटिव इफेक्ट पड़ता है। अमूमन यह देखने में आता है कि लिविंग एरिया की क्लीनिंग के लिए हम कई तरह के केमिकल बेस्ड क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन जब ये केमिकल्स सांस के जरिए अंदर जाते हैं तो इससे आपको काफी नुकसान हो सकता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने लिविंग रूम को विनेगर की मदद से क्लीन करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि लिविंग एरिया को क्लीन करने के लिए विनेगर का इस्तेमाल किस तरह किया जाए–

सोफे की करें सफाई

अगर आपके लिविंग एरिया में रखे सोफे या आर्मचेयर से थोड़ी बासी गंध आती है, तो सिरके से सफाई करें। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सिरका मिलाएं। अब इसमें लैवेंडर या नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालकर मिक्स करें। अब इसे स्प्रे करें, लेकिन फर्नीचर को बहुत गीला न करें। इसे हवा में सूखने दें।

वहीं अगर सोफे पर दाग लगा है तो 1 भाग सिरका और 1 भाग पानी के मिश्रण से दाग को साफ करें। ज़्यादा मुश्किल दागों के लिए, पहले उस जगह पर बेकिंग सोडा छिड़कें, फिर सिरका स्प्रे करें। इसे कुछ मिनट तक फ़िज़ होने दें, कपड़े से धीरे–धीरे रगड़ें और पोंछकर साफ़ करें।

विंडो को करें क्लीन

लिविंग रूम के विंडो की क्लीनिंग के लिए भी सिरके की मदद ली जा सकती है। इसके लिए आप एक स्प्रे बोतल में एक भाग सिरका और दो भाग पानी मिलाएं। अपनी खिड़कियों पर स्प्रे करें, फिर इसे माइक्रोफ़ाइबर कपड़े से पोंछें। जिद्दी दागों के लिए, थोड़ा ज़्यादा सिरका लगाकर रगड़ें, फिर साफ कपड़े से उसे क्लीन करें।

कारपेट को करें क्लीन

लिविंग रूम में रखा कारपेट बहुत जल्दी गंदा हो जाता है। ऐसे में उसे साफ करने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल करें। इसके लिए, आप बराबर मात्रा में सिरका और पानी के मिश्रण से उस जगह को साफ करें। इसके बाद, दाग पर बेकिंग सोडा छिड़कें, इसे सूखने दें और वैक्यूम करें।

संक्षिप्त

गडकरी ने खाद्य तेलों में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोयाबीन पैदावार बढ़ाने पर जोर दिया

इंदौर (मध्यप्रदेश)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि खाद्य तेलों के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए सोयाबीन की प्रति एकड़ पैदावार बढ़ाने की आवश्यकता है। गडकरी ने इंदौर में सातवें अंतरराष्ट्रीय सोयाबीन अधिवेशन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा, देश को खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोयाबीन की प्रति एकड़ उत्पादकता बढ़ाने की बड़ी आवश्यकता है। इसके साथ ही, हमें खेती की लागत घटाने की भी जरूरत है। भारत अपनी जरूरत का करीब 60 फीसद खाद्य तेल आयात करता है। केंद्रीय मंत्री ने भारत में इंडोनेशिया और मलेशिया से बड़े पैमाने पर पाम तेल के आयात का उल्लेख किया और कहा कि घरेलू मोर्चे पर सोयाबीन की खेती और खाद्य तेल उत्पादन को बढ़ावा देकर इस आयात पर निर्भरता घटाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि सरकार देश में सोयाबीन का उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के जरिये अलग–अलग कदम उठा रही है, जिनमें इस तिलहन फसल के उन्नत बीजों का विकास शामिल है। गडकरी ने भरोसा जताया कि सरकार और उद्योग जगत के साझा प्रयासों से देश खाद्य तेलों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ेगा। इंदौर स्थित सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सोयाबीन अधिवेशन रविवार से शुरू हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 800 से ज्यादा लोग हिस्सा ले रहे हैं।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल से सितंबर में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 1.84 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हो गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। इसकी वजह सब्जियों की मुद्रास्फीति रही जो सितंबर में 48.73 प्रतिशत

बढ़ी थी। अगस्त में यह 10.01 प्रतिशत घट गई थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः 78.13 प्रतिशत और 78.82 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध–ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।" भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। आरबीआई ने इसी महीने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में मुख्य ब्याज दर या रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा। खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े दिन में जारी किए जाएंगे।

यात्रियों के लिए खुशखबरी! इस दीवाली सीज़न में एयरलाइन्स से सफर करना हुआ सस्ता, टिकट कीमत में आई 25 फीसदी की गिरावटः रिपोर्ट

दिवाली का त्योहार आ गया है। दिवाली के इस मौके पर एयरलाइन टिकटों की औसत कीमत एक साल की तुलना में 20 से 25 प्रतिशत अधिक गिर चुकी है। एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इस दिवाली के सीजन में एयरलाइन टिकटों की औसत कीमतों में एक साल पहले की तुलना में 20–25% की गिरावट देखने को मिल रही है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार इक्सिगो के विश्लेषण का हवाला दिया गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका कारण यात्री–वहन क्षमता में वृद्धि होना माना गया है। वहीं हाल ही में तेल की कीमतों में गिरावट आने के कारण भी टिकट की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह 30 दिन की APD (अग्रिम खरीद तिथि) के आधार पर एकतरफा औसत किराया है, जिसकी समयावधि इस वर्ष 10–16 नवंबर है। सबसे ज़्यादा गिरावट बेंगलुरु–कोलकाता फ्लाइट के लिए 38% दर्ज की गई है। पिछले साल इसकी कीमत 10,195 थी, लेकिन इस साल यह सिर्फ़ ध6,319 रह गई है। इसके बाद चेन्नई–कोलकाता का स्थान आता है, जहां किराया पिछले वर्ष के 8,725 से 36% घटकर 5,604 रह गया। इसके बाद मुंबई–दिल्ली का स्थान आता है, जहां किराया 34% घटकर 8,788 रुपये से 5,762 रुपये रह गया। दिल्ली–उदयपुर उड़ान का किराया भी 11,296 से घटकर 7,469 हो गया। दिल्ली–कोलकाता, हैदराबाद–दिल्ली और दिल्ली–श्रीनगर उड़ानों में 32% की गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट में इक्सिगो समूह के सीईओ आलोक बाजपेयी के हवाले से कहा गया है, "पिछले साल दिवाली के आसपास हवाई किराए में सीमित क्षमता के कारण उछाल आया था, जो मुख्य रूप से गो फर्स्ट एयरलाइन के निलंबन के कारण हुआ था।" ष्हालांकि, इस साल हमने कुछ राहत देखी है क्योंकि तब से अतिरिक्त क्षमता जोड़ी गई है, जिससे अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में प्रमुख मार्गों पर औसत हवाई किराए में साल–दर–साल 20–25% की गिरावट आई है।"

अब पाकिस्तान से भारत को उम्मीदें, न्यूजीलैंड से मुकाबला

शारजाह। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार ने सोमवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2024 मुकाबले से पहले पाकिस्तान को शुभकामनाएं दीं। रविवार को ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत बाहर होने की कगार पर है। हालांकि, वे अभी भी सेमीफाइनल में जगह बना सकते हैं, लेकिन उसके लिए पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर जीत दर्ज करनी होगी। टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने के लिए भारत चाहेगी कि न्यूजीलैंड को पाकिस्तान हरा दे। इस तथ्य का जिक्र एक पत्रकार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय कोच अमोल मजूमदार से किया। इस पर मजूमदार ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह पाकिस्तान को मैच के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। भारतीय कोच ने यह भी कहा कि भारतीय टीम मैच को करीब से देख रही होगी। उन्होंने कहा, श्यह एक अच्छा सवाल है। मैं पाकिस्तान को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं। लेकिन हम मैच को करीब से देख रहे होंगे, यह तय है। भारत–ऑस्ट्रेलिया मैच में कई टर्निंग पॉइंट आए। टीम इंडिया ने कुछ कैच छोड़े और श्रेयंका पाटिल के आखिरी दो ओवर में 14 और 12 रन खर्च गए। हालांकि, भारतीय कोच ने कहा कि वह किसी खास लम्हे को टर्निंग पॉइंट नहीं बताना चाहते और आखिर में यह सामूहिक प्रयास था। मजूमदार ने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम इस अनुभव से सीख लेगी और आने वाले दिनों में नतीजे उनके पक्ष में जाएंगे। उन्होंने कहा, 'इस समय मैं 14वें या 16वें ओवर की सटीक बात नहीं करना चाहूंगा। यह सामूहिक प्रयास है। हम सब इसमें एक साथ हैं। हमने मैच की शुरुआत में कहा था कि जो भी हो, यह ग्रुप विशेष समूह है। हम एक–दूसरे की परवाह करते हैं। मुझे यकीन है कि आने वाले दिनों में आप पाएंगे कि परिणाम हमारे पक्ष में जा रहे हैं। मैं उन ओवरों या उन छोड़े गए कैच के बारे में

बात नहीं करना चाहूंगा। यह खेल में होता है। हम सिर्फ इस अनुभव और निराशा से सीखना चाहते हैं।' भारत ने ग्रुप स्टेज का अंत चार मैचों में चार अंकों के साथ किया।

ऑस्ट्रेलिया ने नौ रन से जीता मैच

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रविवार को भारत के खिलाफ नौ रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। ग्रुप ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली वह पहली टीम बन गई। वहीं, इस हार ने भारत की राह मुश्किल कर दी है। इस मैच से पहले भारत का नेट रनरेट +0.576 था। अब यह +0.322 ही रह गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया आठ अंक और +2.223 के नेट रनरेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम है जिनका नेट रनरेट +0.282 है। अगर अपने चौथे मैच में उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ जीत मिलती है तो कीवी टीम दूसरे पायदान पर पहुंच जाएगी और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी। इस स्थिति में भारत को पाकिस्तान की जीत की दुआ करनी होगी। शारजाह में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 151 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी। भारत को ऑस्ट्रेलिया के नेट रनरेट से आगे निकलने के लिए 10.2 ओवर या उससे पहले लक्ष्य का पीछा करना था। वहीं, हारने पर भारत को यह सुनिश्चित करना था कि उनका स्कोर 139 रन से ज्यादा हो वरना उनका नेट रनरेट न्यूजीलैंड से कम हो सकता था। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारी काम नहीं आई। भारत को अंतिम ओवर में 14 रन की जरूरत थी। हरमनप्रीत विकेट पर थीं, लेकिन सदरलैंड के ओवर में भारत ने चार विकेट खोकर मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलिया के 8 विकेट पर 151 रन के जवाब में भारत ने नौ विकेट पर 142 रन बनाए। हरमनप्रीत 47 गेंद में छह चौकों की मदद से 54 रन पर नाबाद रहीं। उन्होंने चौथे विकेट के लिए दीप्ति शर्मा (29) के साथ 55 गेंद में 63 रन की साझेदारी की। 18वें ओवर में 12 और 19वें ओवर में 14 रन बने तो लगा जीत मिलने जा रही है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 32 रन पर दो विकेट लेने वाली सोफी मोलिनेक्स प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड ने दो विकेट चटकाए। वहीं, मेगन और एश्ले ने एक–एक सफलता हासिल की।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में स्टीव स्मिथ अपनी पुरानी जगह पर करेंगे बल्लेबाजी

जानें भारत के खिलाफ कौन करेगा ओपनिंग

डेविड वॉर्नर ने संन्यास लिया है। एक ओपनर की जगह खाली हो गई है। वॉर्नर के बाद पारी की शुरुआत कुछ मैचों में स्टीव स्मिथ ने की, लेकिन अब उन्होंने

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ओपनर के तौर पर खेलने से मना कर दिय है। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया को नए ओपनर की तलाश करनी होगी। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से जब से डेविड वॉर्नर ने संन्यास लिया है। एक ओपनर की जगह खाली हो गई है। वॉर्नर के बाद पारी की शुरुआत कुछ मैचों में स्टीव स्मिथ ने की, लेकिन अब उन्होंने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ओपनर के तौर पर खेलने से मना कर दिय है। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया को नए ओपनर की तलाश करनी होगी। इसके अलावा इयान चौपल पहले ही इस बात की दलील दे चुके हैं कि ट्रेविस हेड से भी ओपनिंग मत कराना। उनको आर अश्विन जैसे स्पिनर को टेकल करने के लिए रखना। यही कारण है कि अब टीम के चयनकर्ता जॉर्ज बेली की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नेशनल सिलेक्टर जॉर्जर बेली ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में ओपनर के तौर पर नहीं खेलेंगे। उन्होंने खुद ही नंबर चार पर खेलने का फैसला किया है। उन्होंने कुछ मैचों में ही पारी की शुरुआत की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। पहले मैच में उनसे ज्यादा रन नहीं बने, लेकिन दूसरे मैच में 91 रन बनाए। हालांकि, इसके बाद न्यूजीलैंड में उन्होंने संघर्ष किया। ऐसे में वे फिर से मिडिल ऑर्डर में जाना चाहते हैं। कैमरन ग्रीन उनकी जगह खेले थे, लेकिन अब ग्रीन बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं तो इस जगह पर फिर से स्मिथ खेल सकते हैं। बेली ने सोमवार को पुष्टि की कि टीम के कप्तान पैट कमिंस और कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने 35 वर्षीय खिलाड़ी को उसके पसंदीदा नंबर 4 स्लॉट पर वापस लाने का फैसला किया है। बेसी ने संवाददाताओं से कहा कि, कैमरन ग्रीन की असामयिक चोट के अलावा पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ लगातार बातचीत कर रहे थे। स्टीव ने उस ओपन करने की बजाय मिडिल ऑर्डर में जाने की इच्छा व्यक्त की थी। इस पर पैट और एंड्रयू ने पुष्टि की है कि वह समर सीजन के लिए बैटिंग क्रम में नीचे आ जाएंगे।

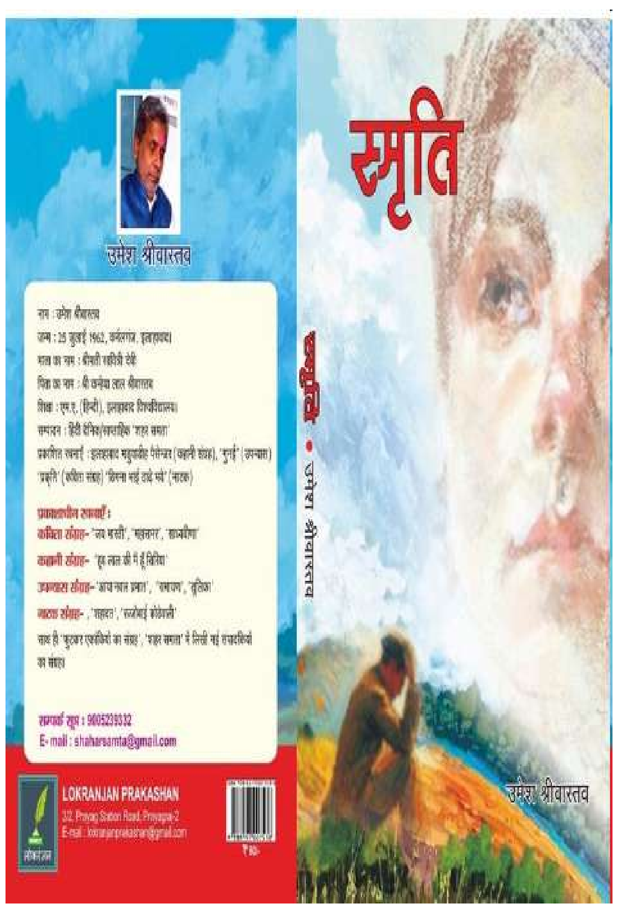

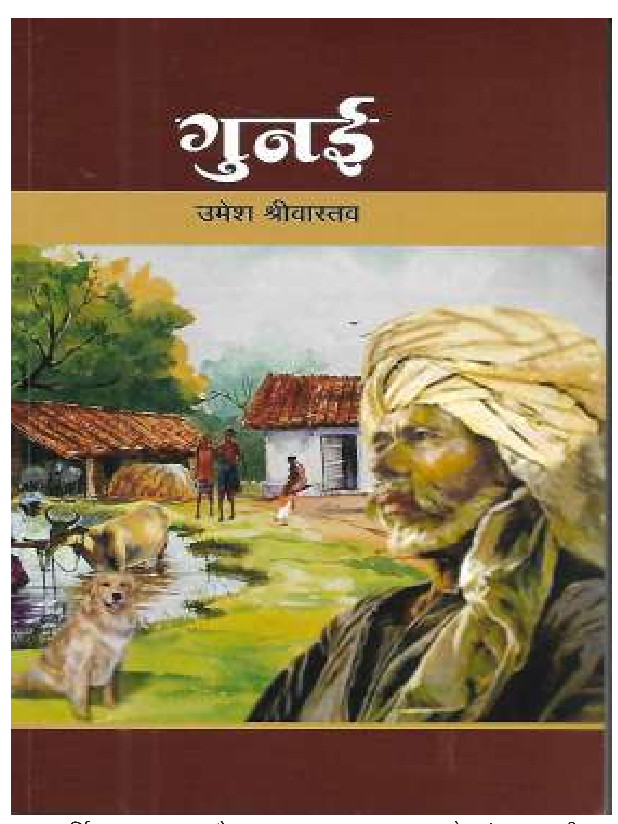

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

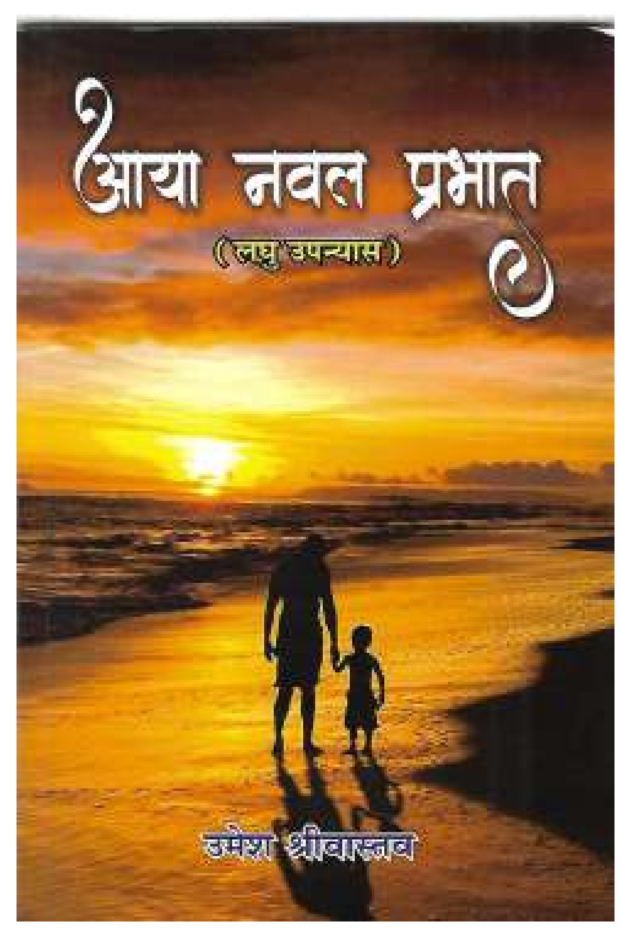

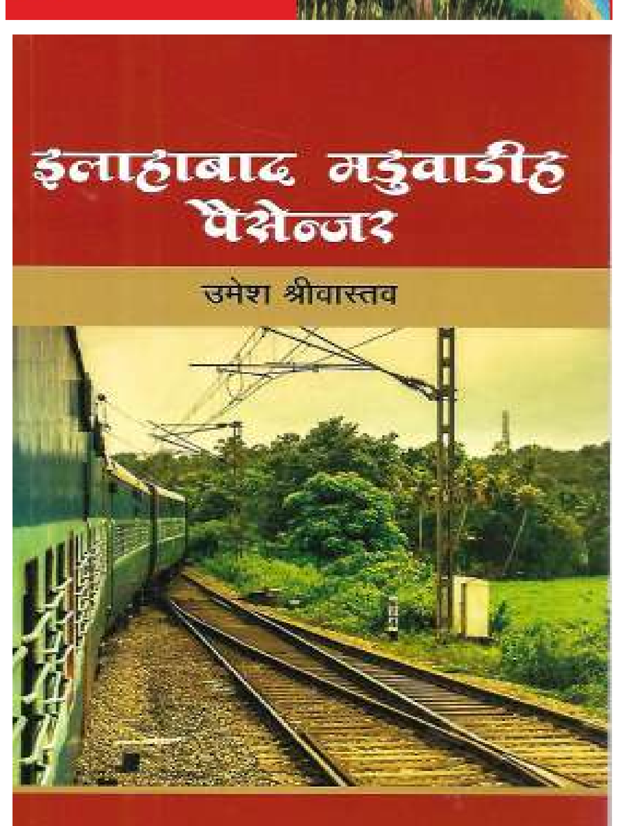

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है।
उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।
पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

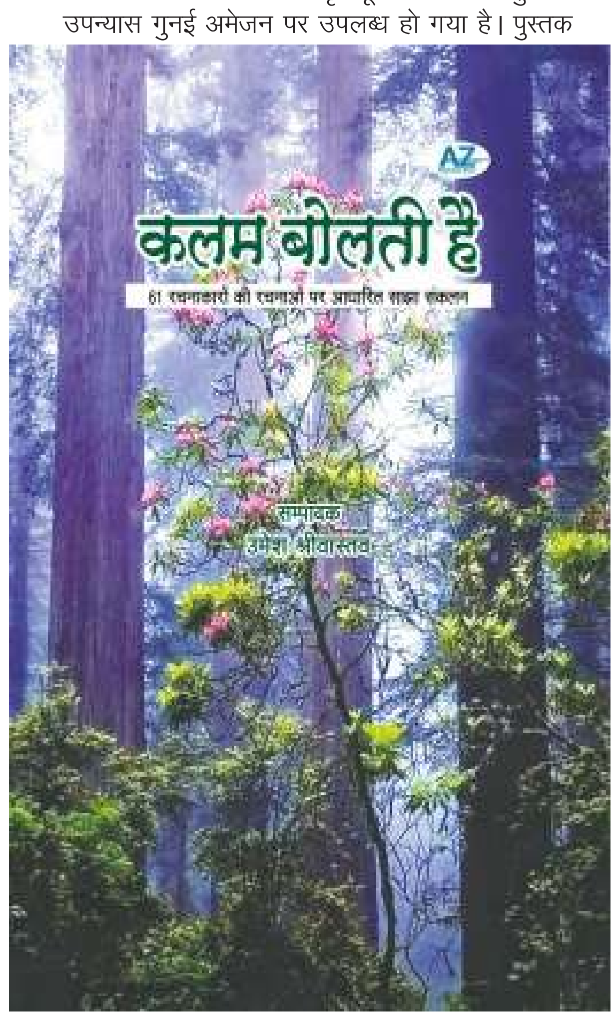

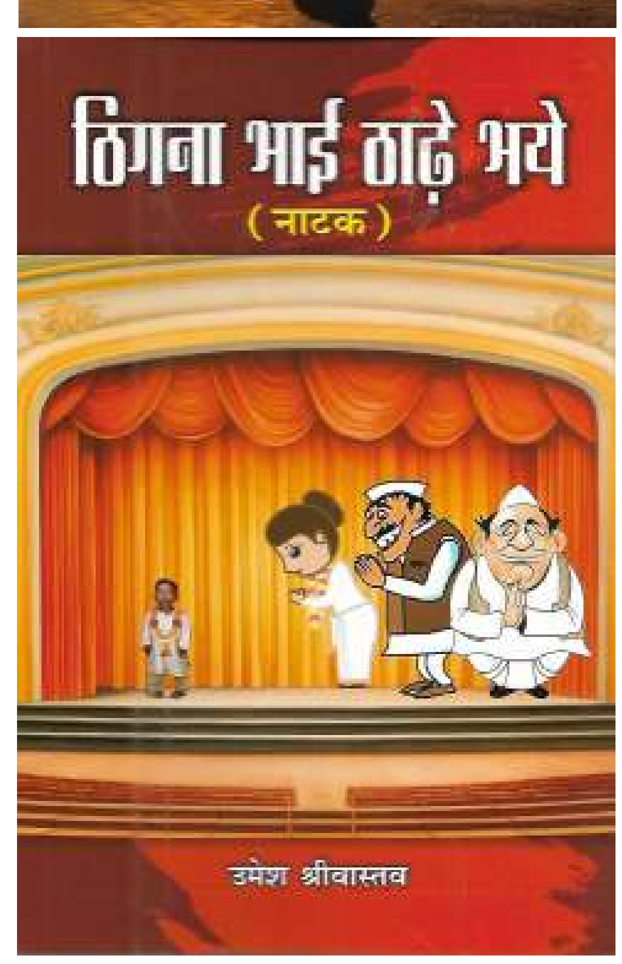

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

उ. कोरिया अंतर-कोरियाई सड़कों के उत्तरी हिस्सों को नष्ट करने की तैयारी कर रहा है : दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उसे ऐसे संकेत मिले हैं कि उत्तर कोरिया अब उपयोग में नहीं लाए जा रहे अंतर कोरियाई सड़कों के उत्तरी हिस्सों को नष्ट करने की तैयारी कर रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब उत्तर कोरिया ने दक्षिण

कोरिया पर इस महीने तीन बार ड्रोन भेजकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। उसने धमकी दी है कि अगर ऐसी घटना फिर हुई तो वह जबर्दस्त कार्रवाई करेगा। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर देगा और दक्षिण कोरियाई व अमेरिकी सेनाओं की ''उकसावे वाली कार्रवाई'' से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति पर रक्षा क्षमताओं का विकास करेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू का अल्जीरिया में गर्मजोशी से स्वागत किया गया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत रविवार को अल्जीरिया पहुंचीं, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भारत की राष्ट्रपति के 'एक्स' पर आधिकारिक अकाउंट से साझा की गई 'पोस्ट' में कहा गया, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में अल्जीयर्स, अल्जीरिया पहुंचीं। यह भारत के किसी राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है।'' पोस्ट में कहा गया, ''हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति की अगवानी स्वयं अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल मजीद तब्बौन ने की। अल्जीरिया की

कैबिनेट के अन्य सदस्य भी इस दौरान मौजूद थे। राष्ट्रपति का गर्मजोशी से औपचारिक स्वागत किया गया।'' विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में अल्जीयर्स पहुंचीं, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। स्वयं अल्जीरिया के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया।'' राष्ट्रपति रविवार को अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की राजकीय यात्रा पर रवाना हुईं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत–अफ्रीका संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के किसी राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की यह पहली यात्रा होगी।

मध्य गाजा में इजराइल के हमले में स्कूली बच्चों समेत 20 लोगों की मौत

मध्य गाजा में एक स्कूल में इजराइल के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अस्पताल ने यह जानकारी दी। नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाएं भी मारी गईं। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। शवों को नुसरत के अल–अवदा अस्पताल और दीर अल बला के अल–अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की बमबारी और गाजा पर उसके जमीनी आक्रमण में 42 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज, एक व्यक्ति की मौत, कई अन्य घायल

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में रविवार को एक धार्मिक पार्टी के कार्यकर्ताओं को नागरिक एवं मानवाधिकार प्रदर्शनकारियों से भिड़ने से रोकने के लिए पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सिंध रवादारी मार्च (एसआरएम) के प्रदर्शनकारी ईशनिंदा के संदिग्ध शाहनवाज कुनभर की हत्या और ''सिंध में चरमपंथ'' के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए 'कराची प्रेस क्लब' (केपीसी) के सामने एकत्र हुए, उसी समय धार्मिक–राजनीतिक पार्टी

'तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान' (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं ने केपीसी में घुसने की कोशिश की। पुलिस और अर्धसैनिक रेंजर ने टीएलपी प्रदर्शनकारियों को रोका और उनकी एसआरएम के प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प भी हुई। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में पुलिस केपीसी के बाहर महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करते देखी गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पानी की बौछारें किए जाने और आंसू गैस के गोले दागे जाने के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सैयद असद रजा ने कहा, ''दोनों समूहों से संबंधित प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।''

जयशंकर के साथ मीटिंग के लिए बेकरार शहबाज!

9 साल बाद पाकिस्तान में उतरा भारत का प्लेन

जिसका इंतजार पाकिस्तान को था आखिरकार वो पल उसके नसीब में आ ही गया। 9 साल के अंतराल के बाद पहली बार भारतीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की सरजमीं पर उतर चुका है। शंघाई कॉरपोरेशन आर्गनाइजेशन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए जयशंकर से पहले उनका प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच चुका है। एससीओ बैठक से पहले भारतीय प्रतिनिधिमंडल की तैयारियां पाकिस्तान में शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही पाकिस्तान में शंघाई ऑर्गनाइजेशन कॉरपोरेशन के शिखर सम्मेलन का सिलसिला। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस्लामाबाद दौरे से पाकिस्तान बहुत उत्सुक है। पाकिस्तान में बड़े स्तर पर मंत्री अलग अलग तरह से इस बात को उठाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत के साथ पाकिस्तान की कोई द्विपक्षीय बातचीत हो जाए। हालांकि ऐसा होना असंभव है क्योंकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खुद ये कह चुके हैं कि वो पाकिस्तान द्विपक्षीय बातचीत के लिए नहीं जा रहे हैं। इस पर बहुत नाउम्मीदी के साथ पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की तरफ से प्रतिक्रिया भी दी गई।

शहबाज बैठक को बेकरार

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज बलोच ने भी कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर अपना जवाब बता चुके हैं। यानी ये साफ हो चुका कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। लेकिन फिर भी पिछले कई दिनों से भारत–पाकिस्तान में बातचीत को लेकर खबरें चल रही है। इन सब के बीच एक नई जानकारी सामने आ रही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय बाचतीच करने वाले हैं। शहबाज के शेड्यूल को लेकर इस्लामाबाद की तरफ से मीडियो रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है। विभिन्न देशों के साथ उनकी द्विपक्षीय बाचतीच का जिक्र है। ये तो कोई नहीं जानता कि भारत के विदेश मंत्री के साथ भी क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री द्विपक्षीय बाचतीच रखने वाले हैं या नहीं। लेकिन इतना जरूर साफ है कि कोशिशें पाकिस्तान ने नहीं छोड़ी हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज भी कुछ ऐसा ही कहती नजर आईं हैं। अपने देश में बिगड़ते हालात और क्लाइमेट को लेकर मरियम नवाज ने कहा था कि भारत के साथ क्लाइमेट चेंज को लेकर बातचीत होनी चाहिए।

क्या पूरी होगी पाकिस्तान की उम्मीद

लंबे वक्त से पाकिस्तान का कोई न कोई अधिकारी या मंत्री इस बात की पैरवी करता आया है कि भारत के साथ विभिन्न मुद्दों पर पाकिस्तान को बातचीत करनी चाहिए। व्यापार को लेकर पाकिस्तान इस वक्त सबसे ज्यादा चिंतित है। उससे भी ज्यादा इस बात की कि पड़ोसी मुल्क भारत के साथ उसकी स्थिति अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। यही वजह है कि पाकिस्तान इस उम्मीद में है कि किसी तरह मुलाकात के जरिए दोनों के बीच के तनाव को कम किया जाए।

एससीओ क्या है?

शंघाई सहयोग संगठन एक स्थायी अंतरसरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 15 जून 2001 को शंघाई, चीन में की गई थी। 2017 में भारत और पाकिस्तान को शामिल करने के साथ जल्द ही इसका विस्तार नौ देशों तक हो गया। रूस ने एक दीर्घकालिक रणनीतिक भागीदार के रूप में भारत के प्रवेश का समर्थन किया। चीन ने भी शक्ति संतुलन को रूस के पक्ष में झुकने से रोकने के लिए अपने सहयोगी पाकिस्तान का समर्थन किया। भारत को 2005 में एससीओ में पर्यवेक्षक बनाया गया था और उसने आम तौर पर समूह की मंत्री–स्तरीय बैठकों में भाग लिया है, जो मुख्य रूप से यूरेशियन क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित हैं। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है और सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

डोनाल्ड ट्रंप को आखिर कौन मारना चाहता है?

कैलिफोर्निया रैली के बाहर हथियारों के साथ शख्स गिरफ्तार

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और इसी साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन नेता के तौर पर चनाव लड़ रहे डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। कैनिफोर्निया में ट्रंप की रैली के बाहर हथियारों के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि ये कोई पहला मामला नहीं है। ऐसा पहले भी हुआ है। ट्रंप की सुरक्षा में चूक की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। उसके वाहन से हथियार एवं गोला बारूद तथा कई फर्जी पासपोर्ट बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को 5,000 अमेरिकी डॉलर की जमानत पर उसी दिन रिहा भी कर दिया गया। संदिग्ध को लॉस एंजिल्स में पूर्व राष्ट्रपति की रैली में भाग लेने के लिए जाना था, लेकिन स्थान पर नियुक्त प्रतिनिधियों ने उसे रोक दिया। बियांको ने कहा कि वाहन के चालक ने पत्रकार होने का दावा किया,

लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया क्योंकि उसके पास कोई वैध प्रमाणपत्र नहीं थे।

पुलिस ने देखा कि वाहन का अंदरूनी हिस्सा अस्त–व्यस्त था और तलाशी में हथियार एवं गोला–बारूद के साथ–साथ विभिन्न नामों वाले कई पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुए। उन्होंने एक बयान में कहा कि व्यक्ति को हथियार रखने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया। व्यक्ति को हथियार रखने के संदेह में गिरफ्तार किया गया। बियांको ने संदिग्ध के इरादों या उसकी मनोदशा के बारे में अटकलें लगाने से इनकार कर दिया। रैली स्थल के करीब एक और सुरक्षा चौकी को 'सीक्रेट सर्विस' संचालित कर रहा था। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का अनुमान है कि इस घटना से सुरक्षात्मक कार्यों पर कोई असर नहीं पड़ा और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को कोई खतरा नहीं था। उन्होंने कहा कि इस समय कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन जांच जारी है। ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम ने इस गिरफ्तारी पर टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जयशंकर के पहुंचने से पहले इस्लामाबाद में तैनात हुई सेना

16 अक्टूबर तक स्कूल–कॉलेज बंद और शादियों पर भी रोक

पाकिस्तान कड़े सुरक्षा उपायों के बीच 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में उच्च स्तरीय 23वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत से चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, रूस से 76 प्रतिनिधि और चीन से 15 प्रतिनिधि पहले ही पाकिस्तानी राजधानी पहुंच चुके हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के पाकिस्तान जा रहे हैं। जहां जयशंकर भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और सीमा उपायों को मजबूत करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना की टुकड़ियों को भी तैनात किया है। संघीय सरकार ने प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 14 अक्टूबर से राजधानी में तीन दिन की छुट्टी की भी घोषणा की है। शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

पाकिस्तान ने कड़े किए सुरक्षा उपाय

पाकिस्तान विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जयशंकर, चीनी प्रधान मंत्री ली कियांग, रूसी प्रधान मंत्री मिखाइल मुशुस्तीन और ईरानी उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर की उपस्थिति में एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की बैठक को संबोधित करेंगे। सीएचजी बैठक संगठन के प्रदर्शन का आकलन करेगी और वाणिज्य, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक–सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्रों में वर्तमान सहयोग के बारे में बात करेगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चूंकि बैठकें रावलपिंडी और इस्लामाबाद में होनी हैं, इसलिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए

पार आतंकवाद से संबंधित भारत की चिंताओं को उठाएंगे। भारतीय विदेश मंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत–पाकिस्तान संबंधों पर कोई चर्चा नहीं होगी और उनकी यात्रा संक्षिप्त होने की उम्मीद है। जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा 2015 में उनकी पूर्ववर्ती सुषमा स्वराज के बाद नौ वर्षों में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली यात्रा है। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद आने वाले लगभग 900 एससीओ प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए 10,000 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए हैं। इसने 5 से 17 अक्टूबर तक इस्लामाबाद में सुरक्षा 17 अक्टूबर तक रावलपिंडी में धारा 144 लागू कर दी है। इनका उद्देश्य उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रकार की राजनीतिक सभाओं, सभाओं, धरने, रैलियों, प्रदर्शनों और इसी तरह की गतिविधियों पर रोक लगाना है। इसके अलावा, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने घोषणा की कि सुरक्षा उपायों के तहत इस्लामाबाद में उसके कार्यालय 14–16 अक्टूबर तक बंद रहेंगे। इससे पहले, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शिखर सम्मेलन के सिलसिले में 14 से 16 अक्टूबर तक तीन दिवसीय बंद की घोषणा की थी।

श्रीलंका में बाढ़ से एक लाख 34 हजार लोग प्रभावित, कोलंबो में स्कूल बंद किए गए

श्रीलंका में भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में बाढ़ आ गई, तथा सोमवार को राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, सप्ताहांत में हुई भारी बारिश ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचा दी है और यहां घर, खेत तथा सड़कें जलमग्न हो गई हैं। बाढ़ में तीन लोग डूब गए हैं, जबकि करीब एक लाख 34 हजार लोग इससे प्रभावित हुए हैं। केंद्र ने कहा कि बारिश और बाढ़ से 240 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं तथा करीब सात हजार लोगों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। पीड़ितों को बचाने और भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नौसेना तथा सेना के जवान तैनात हैं। स्थानीय टेलीविजन चौनलों ने कोलंबो के उपनगरीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति दिखाई। कुछ इलाकों में पानी घरों और दुकानों की छतों तक पहुंच गया। श्रीलंका में मई से ही मॉनसून की बारिश के कारण स्थिति खराब है। जून में यहां बाढ़ आ जाने और भूस्खलन के कारण 16 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट की मौत

अमेरिका में जॉर्जिया राज्य के सवाना शहर में रविवार की रात को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट की मौत हो गयी। सवाना पुलिस विभाग ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद अधिकारियों को ईस्ट 66वीं स्ट्रीट पर दुर्घटना स्थल पर भेजा गया। सवाना पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पायलट की मौत हो गयी है और एक यात्री को मामूली चोटें आयी हैं।'' उन्होंने बताया कि कोई और व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। सवाना के दमकल कर्मियों ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि यह दुर्घटना रविवार रात 10 बजे के करीब हुई। हादसे की वजह का अभी पता नहीं चला है। पुलिस ने बताया कि संघीय विमानन प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

इजराइल में ड्रोन हमले में लगभग 40 लोग घायल, हिज्बुल्ला ने जिम्मेदारी ली

इजराइली बचाव सेवा ने कहा कि बिनयामीना शहर में हुए ड्रोन हमले में लगभग 40 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इजराइल की उन्नत वायु–रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। इजराइली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से दो ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। हिज्बुल्ला ने एक बयान में कहा कि उसने बृहस्पतिवार को बेरूत में इजराइल की ओर से किए गए दो हमलों के जवाब में इजराइल की सेना के एक प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले दो दिन में यह दूसरी बार है जब इजराइल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के एक उपनगर में एक ड्रोन हमला किया गया, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।